मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 338
बुधवार, 02 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

जीएसटी के आठ साल पूरे, राहुल गांधी बोले- यह आर्थिक अन्याय और कॉर्पोरेट भाईचारे का क्रूर हथियार

नई दिल्ली, 01 जुलाई। भारत सरकार द्वारा हर साल 1 जुलाई को मनाया जाने वाला जीएसटी दिवस, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के औपचारिक रूप से लागू होने की आठवीं वर्षगांठ का प्रतीक है। देश के सबसे बड़े कर सुधारों में से एक, जीएसटी की शुरूआत ने भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को एक सुव्यवस्थित कर संरचना में एकीकृत करने में मदद की। जीएसटी के शुभारंभ के दिन का उपयोग जीएसटी ढांचे के बारे में जागरूकता और अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। हालांकि, यह बात भी सही है कि कांग्रेस लगातार इसका विरोध करती रही है। आज एक बार फिर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसको लेकर सरकार पर तंज कसा है।

उन्होंने कहा कि 8 साल बाद, मोदी सरकार का जीएसटी कोई कर सुधार नहीं है - यह आर्थिक अन्याय और कॉर्पोरेट भाईचारे का क्रूर हथियार है। इसे गरीबों को दंडित करने, एमएसएमई को कुचलने, राज्यों को कमजोर करने और प्रधानमंत्री के कुछ अरबपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया था।

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि एक अच्छा और सरल कर का वादा किया गया था। इसके बजाय, भारत को अनुपालन का

दुःस्वप्न और पाँच-स्लैब कर व्यवस्था मिली, जिसमें 900 से अधिक बार संशोधन किया गया है। यहाँ तक कि कारमेल पॉपकॉर्न और क्रीम बन भी इसके भ्रम के जाल में फँस गए हैं। उन्होंने आगे लिखा कि नौकरशाही की भूलभुलैया बड़े कॉरपोरेट्स के पक्ष में है, जो एकाउंटेंट की सेना के साथ इसकी खामियों को दूर कर सकते हैं, जबकि छोटे दुकानदार, एमएसएमई और आम व्यापारी लालफीताशाही में डूबे हुए हैं। जीएसटी पोर्टल दैनिक उत्पीड़न का स्रोत बना हुआ है। राहुल ने कहा कि भारत के सबसे बड़े रोजगार सृजक एमएसएमई को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। आठ साल पहले जीएसटी लागू होने के बाद से 18 लाख से अधिक उद्यम बंद हो गए हैं। नागरिक अब चाय से लेकर स्वास्थ्य बीमा तक हर चीज पर जीएसटी का भुगतान करते हैं, जबकि कॉरपोरेट सालाना 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर छूट का आनंद लेते हैं।

देश में कहीं पर भी दर्ज हो एफआईआर, 3 साल में मिलकर रहेगा न्याय: अमित शाह

नई दिल्ली, 01 जुलाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि तीन नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम आने वाले दिनों में आपराधिक न्याय प्रणाली को बदल देंगे। आज इन तीन नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा कि इस प्रणाली के पूर्ण कार्यान्वयन में अधिकतम तीन वर्ष लगेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली के सामने सबसे बड़ी समस्या न्याय प्राप्त करने के लिए समयसीमा का अभाव है।

शाह ने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इसके

बाद देश के किसी भी कोने में एफआईआर दर्ज करें, आपको 3 साल के भीतर न्याय मिलेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा। बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए ने क्रमशः औपनिवेशिक युग की भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली। नए कानून 1 जुलाई, 2024 को लागू हुए। गृह मंत्री ने तीनों कानूनों को स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा सुधार करार दिया । और कहा कि प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी अपराधी अपराध करने के बाद सजा से बच नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि न्याय निश्चित रूप से तय समय के भीतर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी सरकार, आपकी चुनी हुई सरकार ने आपके लिए कानून बनाए हैं और यह आपके सभी अधिकारों की रक्षा करेगी।₹ 1 जुलाई, 2024 से, सभी नई एफआईआर बीएनएस के तहत दर्ज की गईं। हालांकि, पहले दर्ज किए गए मामलों को उनके अंतिम निपटारे तक पुराने कानूनों के तहत ही चलाया जाता रहा। नए कानून आधुनिक न्याय प्रणाली लेकर आए, जिसमें जीरो एफआईआर, ऑनलाइन पंजीकरण जैसे प्रावधान शामिल हैं।

एससी/एसटी कर्मचारियों को मिलेगा 22.5% कोटा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 01 जुलाई। सामाजिक न्याय और समावेशिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक निर्णय में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गैर-न्यायिक कर्मचारियों के पदों पर सीधी भर्ती और पदोन्नति में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आधिकारिक तौर पर आरक्षण नीति लागू की है। यह कदम पहली बार है जब सर्वोच्च न्यायालय ने अन्य सार्वजनिक संस्थानों और कई उच्च न्यायालयों के साथ खुद को जोड़ते हुए ऐसी नीति अपनाई है। 24 जून, 2025 को सुप्रीम कोर्ट के सभी कर्मचारियों को जारी एक परिपत्र में नई आरक्षण नीति के कार्यान्वयन का विवरण दिया गया है, जो 23 जून, 2025 से लागू होगी। नीति के अनुसार 15% पद

एससी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगे 7.5% पद एसटी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगे आरक्षण केवल प्रशासनिक और सहायक कर्मचारियों के पदों पर लागू होता है, न कि न्यायाधीशों पर। इस नीति से प्रभावित पदों में रजिस्ट्रार, वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट सहायक, जूनियर कोर्ट अटेंडेंट, चैंबर अटेंडेंट और इसी तरह की अन्य भूमिकाएँ शामिल हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के उत्तराधिकारी, सीजेआई जस्टिस गवई, जो समावेशिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं, ने इस ऐतिहासिक उपाय को अंतिम रूप देने और मंजूरी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अगर एससी-एसटी आरक्षण पहले से ही अन्य सरकारी संस्थानों और कई उच्च न्यायालयों में लागू है, तो सुप्रीम कोर्ट अपवाद क्यों होना चाहिए? हमारे निर्णयों ने लंबे समय से सकारात्मक कार्रवाई का समर्थन किया है; अब समय आ गया है कि हम अपने प्रशासन में उस सिद्धांत को प्रतिबिंबित करें।

पहलगाम हमला का उद्देश्य था कश्मीर में पर्यटन को तबाह करना: विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, 01 जुलाई। पाकिस्तान को काफी समय से कुलबुलाहट मच रही थी कि आखिर कश्मीर में सब कुछ ठीक कैसे हो रहा है। आर्थिक विकास कैसे हो रहा है। अगर कश्मीरी नौजवानों को रोजगार मिल गया थो आतंकवादियों का साथ कौन देगा! भारतीय सेना पर पत्थर बाजी कौन करेगा। धारा 370 हटने के बाद रॉकेट की उड़ान की तरह कश्मीर में आर्थिक विकास हो रहा था। पाकिस्तान की पेट में इसी वजह से काफी दर्ज हो रहा था। पहलगाम हमला करवाकर पाकिस्तान ने कश्मीर की उड़ान को कम करने की कोशिश की।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमला आर्थिक युद्ध का नया कृत्य था जिसका मकसद कश्मीर में

पर्यटन खत्म करना था। उन्होंने कहा कि भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि परमाणु ब्लैकमेल की पाकिस्तान की नीति भारत को पड़ोसी देश से उत्पन्न आतंकवाद का जवाब देने से नहीं रोक पाएगी। जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान से प्रेरित कई आतंकवादी हमले हुए हैं और 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद देश में यही भावना है कि अब बहुत हो गया।सीईओ देव प्रगाद के साथ मैनहट्टन में 9/11 स्मारक के पास वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्थित प्रकाशन के मुख्यालय में आयोजित एक बातचीत के दौरान उन्होंने यह टिप्पणी की। जयशंकर ने कहा कि पहलगाम हमला एक आर्थिक युद्ध का कृत्य था। इसका उद्देश्य कश्मीर में पर्यटन को तबाह करना था, जो वहां की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। इसका उद्देश्य धार्मिक हिंसा को भड़काना भी था क्योंकि लोगों को मारने से पहले उनसे उनके धर्म के बारे में पूछा गया था। उन्होंने कहा, इसलिए हमने तय किया कि हम आतंकवादियों को दंडित किए बिना नहीं छोड़ सकते। वे सीमा के उस तरफ हैं और इसलिए उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा सकती, मुझे लगता है कि इस तरह के विचार को चुनौती देने की आवश्यकता है और हमने यही किया। जयशंकर अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर हैं और मंगलवार को चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए वाशिंगटन डीसी जाएंगे। क्वाड चार देशों - भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका का समूह है। उन्होंने अपनी यात्रा की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित आतंकवाद की मानवीय कीमत (द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म) शीर्षक वाली एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करके की। जयशंकर ने कहा कि भारत के खिलाफ हमलों को अंजाम देने वाले पाकिस्तान के आतंकवादी गुप्त रूप से काम नहीं करते हैं और इन आतंकी संगठनों के पाकिस्तान के घनी आबादी वाले शहरों में कॉरपोरेट मुख्यालय सरीखे ठिकाने हैं।उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि संगठन ए और संगठन बी का मुख्यालय क्या है और ये वे इमारतें, मुख्यालय हैं जिन्हें भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में नष्ट कर दिया।

हिमाचल प्रदेश के पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ मामला दर्ज

हिमाचल, 01 जुलाई। हिमाचल प्रदेश के पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह राणा पर मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारी अचल जिंदल के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया। यह हमला उस स्थान के निरीक्षण के दौरान किया गया जहां सोमवार को शिमला के भट्टाकुफ्फर क्षेत्र में पांच मंजिला आवासीय इमारत ढह गई थी। ढली पुलिस स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) विरोचन नेगी ने बताया कि मंत्री के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132, 121(1), 352, 126(2) और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जिंदल, जो एनएचएआई, शिमला में प्रबंधक (तकनीकी) हैं, ने शिकायत की थी कि सोमवार को उनके साथ मारपीट

की गई थी। ये धाराएं किसी सरकारी कर्मचारी को उसके कर्तव्य से विचलित करने के लिए उस पर हमला करने या आपराधिक बल का प्रयोग करने के अपराध को संबोधित करती हैं। एनएचएआई अधिकारी का शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) में इलाज चल रहा है। अपनी शिकायत में जिंदल ने कहा कि वह साइट इंजीनियर योगेश के साथ 30 जून को सुबह 11.30 बजे शिमला ग्रामीण उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) मंजीत शर्मा द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल होने गए थे, जिसमें चमयाना में पांच मंजिला इमारत के ढहने की समीक्षा की जानी थी। चूंकि एसडीएम कार्यालय में मौजूद नहीं थे, इसलिए योगेश ने एसडीएम से फोन पर संपर्क किया और उन्हें भट्टाकुफर में ढहने वाली जगह पर आने का निर्देश दिया गया, जहां एनएचएआई द्वारा फोर-लेनिंग का काम चल रहा है।एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने हिमाचल प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना को पत्र लिखा। पत्र में कहा गया है कि हाल ही में हिमाचल प्रदेश के पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह द्वारा 30 जून को शिमला बाईपास परियोजना के पास भाटाकुफर, शिमला में ठळअक् ढक्व शिमला के अधिकारियों के साथ मारपीट की घटना हुई। ठळअक के अधिकारियों को गंभीर चोटें आईं हैं और बाद में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपर्युक्त घटना को देखते हुए, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि कृपया मामले की विस्तृत जाँच करें और ठळअक अधिकारियों के साथ मारपीट के लिए ज़िम्मेदार सभी लोगों पर कानून के अनुसार मुकदमा चलाया जाए। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि कल मुझे केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय से एक संदेश मिला। मुझे इसकी पूरी जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को इस घटना के बारे में जानकारी दे दी गई है।

भाजपा ने पांच नेताओं को किया निलंबित

ओडिशा, 01 जुलाई। ओडिशा भारतीय जनता पार्टी ने एक त्वरित अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए सोमवार को भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) कार्यालय में हुई हिंसा में कथित संलिप्तता के बाद पांच पार्टी नेताओं को मंगलवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने नगरसेवक अपरूप नारायण राउत, रश्मी रंजन महापात्र, देबाशीष प्रधान, सचिकांत स्वैन और संजीव मिश्रा को निलंबित कर दिया।

भाजपा ने यह कदम बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त रत्नाकर साहू को सोमवार को उनके कार्यालय से कथित तौर पर घसीट कर ले जाने और बदमाशों के एक समूह द्वारा उन पर हमला करने के बाद उठाया है। ओडिशा प्रशासनिक सेवा संघ ने सोमवार को वरिष्ठ ओएएस अधिकारी पर कथित हमले के विरोध में अपने सदस्यों से मंगलवार से 'सामूहिक अवकाश' पर जाने का आह्वान किया है। हालांकि, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से आश्वासन मिलने के बाद एसोसिएशन ने अपना 'सामूहिक अवकाश' विरोध स्थगित करने का फैसला किया है। माझी ने आश्वासन दिया है कि उनके वरिष्ठ सहयोगी पर कथित हमले में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कर्नाटक सरकार ने भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस को जारी किए एसओपी

बेंगलुरु। बेंगलुरु में भगदड़ के एक महीने बाद कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को भीड़ नियंत्रण कार्यक्रमों और सामूहिक समारोहों के लिए एसओपी जारी किए। एसओपी में उल्लेख किया गया है कि पुलिस की प्रतिक्रियाओं को जीवन सुरक्षा, अधिकारों की सुरक्षा, संपत्ति के नुकसान की रोकथाम और संभावित संघर्षों को कम करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। एसओपी इसलिए जारी किए गए हैं क्योंकि आधुनिक समारोह अक्सर स्वतःस्फूर्त होते हैं और सोशल मीडिया से प्रभावित होते हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

-ललित गर्ग

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रतर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकार के प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी में पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है।

भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक के भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित है मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिन्दी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर हिन्दी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम हिन्दी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएगा और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी।

महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41.4 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिन्दी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्धव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी। 5 जुलाई को होने वाली हिन्दी विजय रैली पर महाराष्ट्र के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर सुर में सुर मिलाने वाले उद्धव और राज ठाकरे को सियासी हौसला मिल रहा है। जिसे महाराष्ट्र की सियासत में एक नया मोड़ माना जा रहा, लेकिन साथ ही सवाल है कि उद्धव और राज ठाकरे की सियासी केमिस्ट्री कब तक बरकरार रहेगी। हिंदी बनाम मराठी विवाद को कई बार राजनीतिक रंग भी दिया गया है। कुछ स्थानीय दलों ने हिंदी भाषी प्रवासियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को निशाने पर लेकर हिंदी भाषा पर परोक्ष रूप से प्रहार किया है। इससे न केवल भाषा के नाम पर लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि महाराष्ट्र की समावेशी छवि को भी आघात पहुंचा है। महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों, विशेषकर मुंबई, ठाणे, पुणे, और नासिक में बड़ी संख्या में हिंदीभाषी समुदाय निवास करता है। ये लोग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था, व्यापार, निर्माण और सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परंतु जब इनकी भाषा को दोयम दर्जे का माना जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा एकता में अनेकता के विपरीत है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी और मराठी दोनों को मान्यता प्राप्त है। हिंदी भारत की राजभाषा है, और मराठी महाराष्ट्र की राजभाषा। किसी भी राज्य में भाषा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर दूसरी भाषाओं का अपमानित करना न तो संवैधानिक है और न ही नैतिक। भाषायी सह-अस्तित्व के लिये महाराष्ट्र में मराठी को सर्वोच्च स्थान मिले, लेकिन हिंदी भाषा को भी सम्मान मिले, यह संतुलन ही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है। स्कूलों में मराठी, हिंदी और अंग्रेजी- तीनों भाषाओं को समुचित महत्व देकर बच्चों में बहुभाषिक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल भाजपा एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।

बिहार की राजनीति में क्यों अहम हुई अगड़ी जातियां?

अशोक भाटिया

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले उट नीतीश कुमार ने बड़ा दांव खेल दिया है। नीतीश कुमार ने राज्य में अगड़ी जातियों के विकास के लिए एक आयोग गठित करने का निर्णय लिया है, जिसे उच्च जाति आयोग नाम दिया गया है। भाजपा नेता महाचंद्र प्रसाद सिंह को इस आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा गुरुवार को इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई। महाचंद्र प्रसाद सिंह को तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया है।जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद को आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और जेडी(यू) के पूर्व नेता राम चंद्र प्रसाद सिंह ने हाल ही में अपने राजनीतिक दल आप सबकी आवाज (ASA) का प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में विलय कर दिया है। सिंह ने 2023 में जेडी(यू) छोड़ दिया था, भाजपा में शामिल हो गए और बाद में 2024 में अपनी खुद की पार्टी बनाई और 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना की घोषणा की। बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है। भाजपा, जेडीयू और एलजेपी से मिलकर बना राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सत्ता बरकरार रखने का लक्ष्य लेकर चल रहा है, जबकि विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक मौजूदा नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती देने की तैयारी कर रहा है।

ज्ञात हो कि बिहार की राजनीति यही कोई तीन दशक से गैर सवर्ण जातियों के इर्द-गिर्द घूमती आई है। खास तौर पर पिछड़ा वर्ग का प्रभुत्व इतना बढ़ा कि इस तबके से आने वाले लालू यादव-राबड़ी देवी-नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होते आए हैं। हालांकि एक दौर वह भी रहा है, जब मुख्यमंत्री अगड़ी जातियों के ही होते थे। 90 के दशक में जब मंडल-कमंडल की राजनीति ने अपने पांव फैलाए, तो देश के तमाम दूसरे राज्यों की तरह बिहार की सियासत का नक्शा भी बदल गया। लेकिन हाल के दिनों में, बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अचानक वहां अगड़ी जातियों की अहमियत बढ़ गई है।

राज्य में इस साल परशुराम जयंती का आयोजन बहुत भव्य स्तर पर किया गया, जिसमें तेजस्वी यादव ने शिरकत की। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुंवर सिंह का विजय उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह में अमित शाह शामिल हुए। और तो और, जदयू ने अपनी पार्टी में सवर्ण प्रकोष्ठ बना दिया है। अमूमन राजनीतिक दलों में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ हुआ करते हैं, लेकिन नीतीश कुमार ने यह नया प्रयोग किया है।

बिहार में मुख्य रूप से चार बड़ी अगड़ी जातियां हैं- भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला। राजनीतिक गलियारों में उन्हें सांकेतिक भाषा में 'भूराबाल' कहा जाता है। बिल्कुल वैसे ही जैसे मुस्लिम-यादव समीकरण को 'एमवाई' कहते हैं। नब्बे के दशक में जब बिहार की राजनीति में लालू युग शुरू हुआ, तो उनको लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ था। कहा यह गया कि लालू ने बिहार की राजनीति में 'भूराबाल' को साफ करने की बात कही है। हालांकि लालू यादव इसे अपने खिलाफ एक बड़ी राजनीतिक साजिश बताते रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था। खैर, सच्चाई जो भी रही हो, लेकिन इस विवाद के बाद वहां लालू यादव की छवि 'एंटी अपर कास्ट' नेता के रूप में उभरी। लालू यादव ने भी इसकी परवाह किए बिना यादव, मुस्लिम और अति पिछड़ा वर्ग-दलित वर्ग की कुछ अन्य जातियों को गोलबंद कर अपने को मजबूत बनाए रखा। बिहार में अगड़ी जातियों की आबादी 15 से 20 प्रतिशत के बीच है। एक वक्त यह कांग्रेस का वोट बैंक हुआ करती थीं, लेकिन बाद में भाजपा के साथ आईं। नीतीश कुमार के भाजपा के साथ गठबंधन में होने की वजह से इनका समर्थन जदयू को मिलता रहा। लेकिन पिछले चुनाव में यह देखा गया कि सवर्ण जातियों ने भाजपा को तो वोट किया, लेकिन जदयू को नहीं। यही वजह रही कि जदयू को पहली बार भाजपा से कम सीट मिलीं और राज्य विधानसभा में सीटों की संख्या के क्रम में तीसरे पायदान पर पहुंच गई।

राजनीति में बिना मकसद कुछ भी नहीं होता। अगर बिहार में अगड़ी जातियों की पूछ बढ़ गई है, तो उसकी वजह भी है। बिहार में जिस तरह से भाजपा तनकर खड़ी हुई है और जीतनराम मांझी, मुकेश सहनी जैसे अपनी-अपनी जातियों के नेताओं का प्रभाव बढ़ना शुरू हुआ है, उसमें आरजेडी को लगने लगा है कि 'एमवाई' समीकरण के सहारे राज्य की सत्ता में वापसी मुश्किल है। तेजस्वी यादव ने पिछले चुनाव के मौके पर कहा भी था कि अब हम 'एमवाई' की पार्टी नहीं बल्कि ए टू जेड की पार्टी होंगे। इसी कोशिश में वह अगड़ी जातियों के साथ अपनी दोस्ती बढ़ा रहे हैं। मार्च महीने में स्थानीय निकाय चुनाव में प्रत्याशियों के चयन में यह बात साफ दिखी भी। बिहार के सियासी गलियारों में यह कहा भी जाने लगा है कि लालू यादव जिस 'भूराबाल' को साफ करने की बात करते थे, तेजस्वी यादव उसी 'भूराबाल' को साथ लेकर चलने की बात करने लगे हैं।

उधर, पिछले चुनावी नतीजों से झटका खाए नीतीश कुमार को लगता है कि अगर वह खुद अपने पांव पर नहीं खड़े हुए और भाजपा ने अपनी बैसाखी छीन ली, तो फिर उनके सियासी लड़ाई मुश्किल हो जाएगी। अपने पांव पर खड़े होने की कवायद में ही वह अगड़ी जातियों में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में हैं। राज्य में पिछड़ा वर्ग की नुमाइंदगी करने वाले आरजेडी और जेडीयू, दोनों को अब यह अहसास हो चला है कि अगड़ी जातियों का साथ लेकर ही वे अपने वोट बैंक का विस्तार कर सकते हैं।बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 58 एआईसीसी (अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जो राज्य में चुनावी गतिविधियों की निगरानी और सांगठनिक मजबूती के काम को सुनिश्चित करेंगे।

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक इन पर्यवेक्षकों में विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) अनूमा आचार्य, अली मेहंदी, अशोक चांदना, मनोज यादव, नदीम जावेद, शोएब खान, अखिलेश यादव, वीरेन्द्र यादव जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। ये सभी नेता अलग-अलग क्षेत्रों में पार्टी के प्रदर्शन, उम्मीदवार चयन, स्थानीय मुद्दों और जमीनी हालात का आकलन करेंगे।बिहार में कांग्रेस महागठबंधन का हिस्सा है, जिसमें राजद (राष्ट्रीय जनता दल) सबसे बड़ा घटक है। पिछले विधानसभा चुनाव (2020) में राजद ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 75 सीटें जीती थीं। वहीं कांग्रेस ने 70 सीटों पर किस्मत आजमाई, लेकिन केवल 19 सीटों पर जीत मिली। माकपा (सीपीआई-एमएल) ने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा और 12 सीटें जीती थीं।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में कमजोर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस के लिए बिहार चुनाव एक महत्वपूर्ण मौका है जिससे वह संगठन को पुनर्गठित कर राज्य में अपनी पकड़ मजबूत कर सकती है। पर्यवेक्षकों की यह तैनाती एक संगठित रणनीति का हिस्सा है।

यूपी भाजपा में नये अध्यक्ष की देरी में आड़े आ रही है नेताओं की गुटबाजी

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति का मामला लंबे समय से अधर में लटका हुआ है। यह देरी न केवल पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में अनिश्चितता पैदा कर रही है, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी पर भी सवाल उठा रही है। भूपेंद्र सिंह चौधरी का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त होने के बाद से ही नया अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया बार-बार अटक रही है। इसके पीछे कई कारण हैं, जिनमें आंतरिक गुटबाजी, सामाजिक समीकरणों का संतुलन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ समन्वय और राष्ट्रीय नेतृत्व की रणनीति शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश भाजपा के लिए हमेशा से एक महत्वपूर्ण राज्य रहा है। देश की सियासत में यूपी का प्रभाव किसी से छिपा नहीं है। 80 लोकसभा सीटों और 403 विधानसभा सीटों वाला यह राज्य केंद्र और राज्य दोनों में सत्ता की कुंजी माना जाता है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को यूपी में अप्रत्याशित नुकसान उठाना पड़ा। समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के गठबंधन ने पार्टी को कड़ी चुनौती दी, जिसके बाद हार के कारणों की समीक्षा के लिए 15 पेज की एक विस्तृत रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को सौंपी गई। इस रिपोर्ट में कार्यकताओं की उपेक्षा, संगठनात्मक कमजोरी और सामाजिक समीकरणों में चूक को प्रमुख कारण बताया गया। इस हार ने पार्टी को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है, और नया प्रदेश अध्यक्ष चुनना इस रणनीति का एक अहम हिस्सा है।

प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति में देरी का सबसे बड़ा कारण पार्टी के भीतर चल रही आंतरिक खींचतान और गुटबाजी है। यूपी भाजपा में कई प्रभावशाली नेता हैं, और प्रत्येक गुट अपने पसंदीदा उम्मीदवार को आगे बढ़ाने की कोशिश में है। कुछ नेता ओबीसी समुदाय से किसी मजबूत चेहरे को अध्यक्ष बनाना चाहते हैं, ताकि सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) मॉडल का मुकाबला किया जा सके। वहीं, कुछ नेता दलित समुदाय से किसी युवा चेहरे को मौका देने के पक्ष में हैं, क्योंकि दलित वोटरों का एक बड़ा हिस्सा 2024 में भाजपा से छिटक गया था। इसके अलावा, कुछ नेताओं का मानना है कि अगड़े समुदाय से किसी अनुभवी नेता को जिम्मेदारी दी जाए, जो संगठन को एकजुट रख सके। इस तरह सामाजिक समीकरणों का संतुलन बनाना भाजपा के लिए एक जटिल चुनौती बन गया है।

पार्टी के सामने एक और बड़ी चुनौती राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ समन्वय की है। भाजपा और आरएसएस के बीच राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर अध्यक्षों के चयन को लेकर लंबे समय से विचार-विमर्श चल रहा है। कुछ सूत्रों का कहना है कि आरएसएस यूपी में किसी ऐसे चेहरे को चाहता है, जो संगठनात्मक अनुभव के साथ-साथ जमीनी स्तर पर कार्यकताओं को जोड़ने की क्षमता रखता हो। लेकिन इस पर सहमति बनाना आसान नहीं रहा। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भी संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावित किया है, जिसके कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को टाल दिया गया। यूपी में नया अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन के बाद ही पूरी होने की संभावना है। 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा यूपी में अपनी रणनीति को और मजबूत करना चाहती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल के वर्षों में अपने पीडीए मॉडल के जरिए गैर-यादव ओबीसी, दलित और अल्पसंख्यक वोटरों को एकजुट करने में सफलता हासिल की है। इसका मुकाबला करने के लिए भाजपा सोशल इंजीनियरिंग पर जोर दे रही है। पार्टी ने हाल ही में 98 में से 70 जिलों में नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है, जिसमें अगड़े समुदाय को प्राथमिकता दी गई। लेकिन 28 जिलों में अभी भी नियुक्तियां लटकी हुई हैं, जिसका कारण भी आंतरिक असहमति और गुटबाजी को माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी में भाजपा सरकार भले ही मजबूत स्थिति में हो, लेकिन संगठन स्तर पर कई चुनौतियां हैं। कार्यकताओं में असंतोष की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। लोकसभा चुनावों में हार के बाद कई नेताओं ने संगठन की कमजोरियों को उजागर किया था। ऐसे में नया प्रदेश अध्यक्ष न केवल संगठन को एकजुट करने की जिम्मेदारी लेगा, बल्कि उसे जमीनी स्तर पर कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाने और मतदाताओं को फिर से पार्टी की ओर आकर्षित करने का काम भी करना होगा।

बहरहाल, भाजपा की रणनीति में यूपी का महत्व देखते हुए यह देरी कई सवाल खड़े करती है। पार्टी को न केवल संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना है, बल्कि मतदाताओं के बीच अपनी विश्वसनीयता को भी फिर से स्थापित करना है। नए अध्यक्ष का चयन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा, लेकिन इसके लिए पार्टी को आंतरिक मतभेदों को दूर करना होगा। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा इस पेंच को कैसे सुलझाती है और यूपी में अपनी सियासी जमीन को फिर से मजबूत करने के लिए कौन सा चेहरा सामने लाती है।

देश और सीए दोनों को चाहिए करोड़ों प्रशिक्षित अकाउंटेंट

-पंकज जायसवाल

जुलाई का पहला दिन सीए डे के रूप में मनाया जाता है. इस अवसर पर मैं एक ऐसे विषय पर विमर्श करना चाहता हूं जिसकी आवश्यकता भारत को एकविकसित राष्ट्र बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है.

आज भले ही मैं मुंबई में हूं लेकिन मेरी जड़ें आज भी मेरे गांव और कस्बे से जुड़ी हैं. मैंने वहां की आर्थिक व्यवस्था को करीब से देखा और समझा है. सनातन अर्थशास्त्र पर मेरे अध्ययन और एक सीए होने के नाते और अपने कार्य के सिलसिले में लगभग पूरे भारत का भ्रमण करने का अवसर मिला है. इस पूरे सफर में मैंने एक महत्वपूर्ण और गम्भीर बात नोट की कि भारत में एक बहुत बड़ी आबादी व्यापार करती है लेकिन वह उचित अकाउंटिंग नहीं करती, या बोलें तो लगभग नहीं ही करती है क्यूंकि जो करती है वह कतबैठी हिसाब होता है एकाउंटिंग नहीं.

अगर विशेषकर टरटए की बात करें, तो मेरा अनुभव कहता है कि करीब 95% टरटए२ प्रोपर एकाउंटिंग नहीं करते हैं. वे अधिकांशतः डायरी या रजिस्टर में ही हिसाब रखते हैं. व्यापार का जो हेल्थ कार्ड होता है उसका आर्थिक चिट्ठा वह इनके पास होता ही नहीं क्योंकि न तो टैली होता है, न बैलेंस शीट, न किसी अकाउंटेंट की सलाह. भारत के व्यापार का बड़ा हिस्सा आज भी 'डायरी एकाउंटिंग' के भरोसे चल रहा है.

इसका परिणाम यह होता है कि व्यापारी को यह तक पता नहीं चलता कि उसका व्यापार डाउनट्रेंड में जा रहा है. यह केवल अनुमान नहीं है, इसके पीछे मेरे प्रत्यक्ष अनुभव हैं। आज मैं आपसे अपने तीन अनुभव साझा कर रहा हूं. पहला अनुभव, एक बार एक बड़े व्यापारी से मुलाकात हुई, जिनके यहां इनकम टैक्स की रेड पड़ी थी और उन पर करोड़ों की डिमांड खड़ी कर दी गई थी. जांच करने पर पता चला कि यह डिमांड किसी नकदी जब्ती, ब्लैक मनी या बेनामी संपत्ति के कारण नहीं थी. व्यापारी तो बड़ा था लेकिन उसका सारा हिसाब डायरी में था. अकाउंटिंग होती नहीं थी तो अकाउंटेंट भी नहीं था. आयकर विभाग ने डायरी की नोटिंग को ही आधिकारिक रिकॉर्ड मानकर पूरी इनकम मान ली और नगद सौदों पर पेनाल्टी जोड़ दी. करोड़ों की डिमांड बन गई. दूसरा अनुभव, एक बार यात्रा के दौरान एक व्यक्ति मिले जिनकी ट्रेडिंग की दुकानें थीं, पूरे पांच. उन्होंने कहा, ₹सीए साहब, समझ नहीं आता कि बिजनेस में घाटा क्यों चल रहा है, बैंक में और हाथ में दोनों जगह पैसे टिक नहीं रहे. मैंने बैलेंस शीट मांगी, बोले वह तो नहीं बनी है. टैली के बारे में पूछा तो बोले नहीं है. अकाउंटेंट? नहीं है. हिसाब-किताब कैसे देखते हो? डायरी में देख लेते हैं और बैंक बैलेंस चेक करते रहते हैं. जीएसटी कैसे भरते हो? वकील साहब को GST सहित खरीद वाला बिलवा भेज देते हैं. मेरा सिर चकरा गया. कुछ वर्षों बाद उनका बिजनेस इतना गिर गया कि पाँच दुकानें घटकर दो रह गईं.

तीसरा अनुभव, एक छोटे शहर के उद्योगपति ने प्लांट शुरू किया. लेकिन अकाउंटेंट की सैलरी बचाते रहे. आज हालत यह है कि उनके बिजनेस में करोड़ों का घाटा है, बैंक का एनपीए खाता है. सीए को फुल टाइम रखने के लिए बिजनेस का आकार नहीं है. साल के अंत में जब वह सीए के पास ऑडिट के लिए पहुँचते हैं तो उस सीए के पास भी उनके सहायता कर पाने के लिए ज्यादा स्कोप नहीं बचा होता है, मर्ज या तो बहुत बढ़ चुका होता है या लाइलाज और उन्हें अभी तक नहीं मालूम कि ये सब अकाउंटिंग न करने के कारण हुआ ।उपरोक्त तीन उदाहरण से तो समझ में आ गया होगा. किसी भी मर्ज का इलाज तभी सटीक हो पाता है जब डॉ को सारी हेल्थ रिपोर्ट मिलती रहे. एकाउंटिंग करने से कम से कम यह तो तय हो जाता है कि व्यापार का लाभ-हानि स्पष्ट हो, आर्थिक चिट्ठा मिल जाता है, जो उसका हेल्थ कार्ड होता है, डाउनट्रेंड समय रहते पकड़ में आ जाता है, बैंक लोन लेने में सुविधा होती है, क्रेडिट स्कोर बेहतर रहता है, स्टॉक, लेनदारी-देयता, टैक्स और पेनाल्टी पर नियंत्रण बना रहता है, व्यापार का विस्तार कर सकते हैं.

दरअसल भारत की मूल जरुरत करोड़ों अकाउंटेंट की है, ये रहे तो लाखों सीए से भी काम चल जायेगा. देश में सीए तो सीमित संख्या में हैं लेकिन कम से कम 2 से 3 करोड़ अकाउंटेंट की भारी कमी है, जो इस बड़ी खाई को भर सकते हैं. इसका सबसे बड़ा लाभ सीए को ही होगा क्योंकि तब व्यापारी और सीए के बीच एक प्रशिक्षित व्यक्ति होगा, जो लेखांकन और अनुपालन की समझ रखता होगा.

जिस तरह मेडिकल प्रोफेशन बिना कम्पाउंडर और नर्स के नहीं चलता, वैसे ही व्यापारिक प्रणाली और सीए का काम बिना प्रशिक्षित अकाउंटेंट के नहीं चल सकता. व्यापार बिना सीए के चल सकता है लेकिन बिना अकाउंटेंट के नहीं.

अब सवाल है कि समाधान क्या हो सकता है? तो समाधान है. एकाउंटिंग में डिप्लोमा और डिग्री के लिए नेशनल फ्रेमवर्क और नीति तैयार करे जैसे फामेर्सी और नर्सिंग का बना हुआ है. इ.उङ्क पाठ्यक्रम में बदलाव अंतिम वर्ष में अनिवार्य प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, सॉफ्टवेयर स्किल्स (जैसे टैली, जोहो, क्विकबुक्स), टैक्सेशन, और क्लाउड अकाउंटिंग शामिल हों. इंटर्नशिप आधारित लर्निंग इकोसिस्टम जिससे छात्र पढ़ाई के साथ-साथ अनुभव भी प्राप्त करें और रोजगार-योग्य बनें. सरकार चाहें तो केवल बीकॉम के इस इंफ्रास्ट्रक्चर से करोड़ों रोजगार पैदा कर सकती है. मुंबई जैसे शहरों में मैंने देखा है कि जो बीकॉम छात्र साथ में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग ले लेते हैं, वे कभी बेरोजगार नहीं रहते. कई ऐसे उदाहरण हैं जहां सिर्फ बीकॉम करने वाले छात्र आज चीफ अकाउंटेंट बनकर लाखों का पैकेज कमा रहे हैं. इन करोड़ों अकाउंटेंट्स के आने से सरकार को सटीक और पारदर्शी और कहीं ज्यादा बढ़ा हुआ राजस्व संग्रह होगा, व्यापारियों को रियल टाइम सलाह मिलेगी, कारोबार में लाभ और विस्तार संभव होगा, पैरलल इकोनॉमी का मैपिंग और औपचारिकीकरण होगा, देश को केवल तीसरी नहीं, दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में ठोस कदम होगा और बिना कोई बड़ा खर्चा किये करोड़ों को रोजगार मिलेगा. सीए डे पर एक सीए होने के नाते, मैं देश में एक सहायक और पूरक अकाउंटिंग प्रणाली की भारी कमी को महसूस करता हूं. मेरी अपील है कि सरकार

इस पर गंभीर दृष्टि डाले क्योंकि यही अकाउंटिंग व्यवस्था भारत के व्यापार और अर्थव्यवस्था का आधार बन सकती है. सरकार की सिर्फ एक नीति ₹प्रशिक्षित अकाउंटेंट्स का इकोसिस्टम₹ देश का रोजगार, राजस्व और नियमन तीनों बदल सकती है. देश में जितनी जरूरत सीए की है, उससे कई गुना ज्यादा जरूरत अकाउंटेंट्स की है।

साहित्य से संवेदना, सद्गति

संजीव ठाकुर

साहित्य अध्ययन, उन्नयन मनुष्य के जीवन में उत्कृष्टता का आधार होता है। साहित्य सदैव मनुष्य के जीवन में संवेदना, संवेदनशीलता एवं मानवता लाने का उत्कृष्ट कार्य करता है। हमारा साहित्य, भाषा, हमें आत्मिक गौरव का सदैव अभिभाष कराती है। इसीलिए जीवन में साहित्यिक पुस्तकों का विशेष महत्व है। सतसाहित्य और भाषा से जीवन गरिमा और गहरी संवेदना लिए हुए होता है। वस्तुत अच्छा साहित्य का वाचक, एक प्रशासक, एक अच्छा अभिनेता और एक अच्छा राजनेता बन सकता है। पर दूसरी तरफ एक अच्छा राजनेता, अच्छा प्रशासक, अच्छा अभिनेता बिना भाषा ज्ञान और साहित्यिक मनन के अच्छा साहित्यकार या उत्कृष्ट मानव नहीं हो सकता है। इसके लिए मनुष्य के जीवन में साहित्य के अध्ययन, मनन और चिंतन की आवश्यकता होती है। क्योंकि साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा, उत्थान और पतन का स्पष्ट परिवेश स्वमेव उपस्थित रहता है। साहित्य की इन्हीं सब खूबियों के कारण उसे समाज का प्रतिबिंब कहा जाता है। साहित्य सर्वमान रूप से एक स्वायत्त आत्मा ही है, और साहित्य का रचयिता खुद स्वयं यह नहीं बता सकता कि साहित्य किसके जीवन में कब और क्या क्या परिवर्तन ला सकता है। मूलतःसाहित्य सत्य के अन्वेषण की साधना और सौंदर्य की अभिव्यंजना भी है। विशुद्ध जीवन एवं उच्च सत साहित्य मानव और समाज की संवेदना और उसकी सहज व्यक्तियों को युगों तक आने वाली पीढ़ियों में संचारित करता रहता है।और यही वजह है कि शेक्सपियर, तुलसीदास की कृतियां आज भी लोगों के हृदय में राज करती है। वैश्विक स्तर पर मनुष्य कितने ही जाति, राजनीति और भौगोलिक तौर पर अनेक गुटों में बट जाए, पर साहित्यिक धरातल एवं परिसीमा में सब एक हैं,सभी का बराबरी का दर्जा है। साहित्य मनुष्य को मानव और एक सहृदय व्यक्ति बनाना सिखाता है। दुनिया के सभी इंसान एक है,उनकी प्रवृतियां भी एक जैसी ही है। साहित्य सभी मानव में संवेदना भरकर करुणा, दया तथा परस्पर स्नेह के भाव पैदा करता है। साहित्य समय की धारा से अछूता नहीं रह सकता है। साहित्यकार उस समय काल की धारा में बैठकर उस समय की पीड़ा, संत्रास और उत्पीड़न को लेकर अपनी रचनाएं करता है, और समाज को एक परिष्कृत वातावरण बनाने के लिए प्रेरित करता है। जिस समाज में साहित्यिक परंपरा विशाल एवं समृद्ध है,वह समाज हमेशा से जीवंत और प्रगतिशील माना गया है।सत साहित्य सदैव मानवी सहज प्रवृत्तियों के साथ समय की धारा के साथ परिवर्तित एवं परिमार्जित होता रहा है। और यही कारण है कि एक अच्छा साहित्यकार एक अच्छा मनुष्य माना जाता है। और उसकी कृति युगों युगों तक जनमानस को प्रेरित, उत्प्रेरित तथा उत्साहित करती रहती है।साहित्य भविष्य की रूपरेखा वर्तमान को सामने रखकर सुनिश्चित करते हुए मानव के सोए हुए विवेक शक्ति को जागृत करने का प्रयास करता है। और श्रेष्ठतम साहित्य में मनुष्य के भीतर तथा बाहर के सार्वभौमिक मूल्यों,संदेशों और उद्देश्य को अंतर्निहित किए रहता है। यही कारण है की कबीरदास, रविंद्र नाथ टैगोर, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर,मिल्टन मानवीय चेतना के चितेरे साहित्यकार माने गए और उन्हें युगों युगों तक याद किया जाता रहेगा। वास्तव में जीवन साहित्य का आधार है, चाहे वह व्यक्ति विशेष का हो, परिवार का हो, समाज का हो, राज्य का हो या राष्ट्र का हो या संपूर्ण विश्व का जीवन के बिना साहित्य की कल्पना ही असंभव और साहित्य की समृद्धि बिना जीवंत समाज का सम्यक विकास असंभव है। साहित्य, भाषा, संवेदना जीवन का मेरुदंड है। जिंदगी में यथार्थवाद समाविष्ट रहता है और साहित्य आशावादी दृष्टिकोण से परिपूर्ण रहता है, इस तरह जीवन में यथार्थवाद और आशावाद एक दूसरे के पर्याय तथा पूरक हैं। साहित्य वैसे तो मानवीय जीवन में, जो है और जो होना चाहिए उसके बीच का एक जरिया ही है। साहित्य अपनी परिकल्पना उसे मानवीय समाज में मानवीय संबंधों के सुधार की जो आवश्यकता है, उस को रेखांकित करता है। मूल रूप से अच्छा रचनाकार, बड़ा साहित्यकार, समय काल में समाज की ही देन होता है। अतः जीवन में और साहित्य के मध्य जितना आदान-प्रदान होगा, वहां साहित्य एवं जीवन जीवंत, संवेदनशील और प्रभाव शाली होगा।

मनुष्य के जीवन में निराशा, आशंका का प्रादुर्भाव हमेशा से बना रहता है, और साहित्य जीवन में आशा, विश्वास एवं भविष्य की परिकल्पना उसे सुसज्जित रहता है। जीवन को एक नया दृष्टिकोण, एक नई दृष्टि और नया उजाला प्रदान करता है।

रविंद्र चव्हाण जनता और जमीन से जुड़े लोकप्रिय नेता : कृपाशंकर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली से चार बार विधायक तथा शिंदे सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके रविंद्र चव्हाण को भाजपा का महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने का स्वागत करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा लोकप्रिय उत्तर भारतीय नेता कृपाशंकर सिंह ने कहा कि श्री चव्हाण जनता और जमीन से जुड़े हुए लोकप्रिय नेता हैं। एक सामान्य कार्यकर्ता से प्रदेश अध्यक्ष तकका उनका सफर उपलब्धियां से भरा हुआ है। उनकी सादगी, विनम्रता तथा प्रेरणादायक कार्य शैली से पार्टी को पूरे प्रदेश में एक नई ताकत मिलेगी। कृपाशंकर ने कहा कि श्री चव्हाण एक सुलझे हुए अनुभवी नेता हैं, जिसका पूरा लाभ पार्टी संगठन को मिलेगा। कल जब रविंद्र चव्हाण ने नामांकन किया था तब केंद्रीय मंत्री एवं महाराष्ट्र चुनाव प्रभारी किरण रिजिजू, राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के साथ कृपाशंकर सिंह भी उपस्थित रहे।

महिला से मारपीट करने का मामला दर्ज

कल्याण (उत्तरशक्ति)। पूर्व के चिंचपाड़ा परिसर में मामूली बात को लेकर पति-पत्नी की पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में पिंटू म्हात्रे, किरण म्हात्रे समेत चार लोगों के खिलाफ मारपीट एवं महिला से अभद्र व्यवहार करने का केस दर्ज किया गया है। मारपीट करने वाले आरोपियों में महिलाएं भी शामिल है। एफआईआर रिपोर्ट के अनुसार घटना उल्हासनगर के विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की हद में आने वाले चिंचपाड़ा परिसर की है, जहां मामूली कहासुनी के बाद आरोपी पिंटू, किरण और दो अन्य महिलाओं ने पीड़ित महिला और उसके पति की बुरी तरह पिटाई कर दी। मारपीट में पीड़ित महिला जख्मी हुए हुई जिसे उपचार के लिए मलंग रोड़ स्थित जनकल्याण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने मारपीट के अलावा महिला की लज्जा को अपमानित करने वाली धाराएं भी लगाई है। मामले की जांच विठ्ठलवाड़ी पुलिस कर रही है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नही हुई है।

टैफे और एजीसीओ के मध्य ब्रांड अधिकारों, विज्ञापनों और शेयरधारिता को लेकर विस्तृत समझौता

मुंबई। टैफे, विश्व की एक सबसे बड़ी ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण निमार्ता कंपनी, ने आज घोषणा की है कि टैफे, एजीसीओ के साथ, ब्रांड, वाणिज्यिक मुद्दों और शेयरधारिता से संबंधित सभी मामलों पर एक विस्तृत समझौता और समाधान पर पहुंचा है।समझौते में निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं जिसमें भारत, नेपाल तथा भूटान में मैसी फर्ग्यूसन ब्रांड पर टैफे का एकमात्र और अनन्य स्वामित्व रहेगा, साथ हीं मैसी फर्ग्यूसन और संबंधित ट्रेडमार्क एवं उससे जुड़ी सभी गुडविल के समस्त अधिकारों, शीर्षक और हितों पर भी टैफे का स्वामित्व होगा। टैफे, $260 मिलियन का मूल्य चुकाकर टैफे में एजीसीओ के शेयरों को वापस खरीदेगा, जो टैफे की इक्विटी के 20.7% के बराबर है, जिससे टैफे सम्मिश्रित ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन जाएगा- एक विविध औद्योगिक संगुटिका जिसका मुख्यालय भारत के चेन्नई शहर में स्थित है। टैफे, एजीसीओ में 16.3% के स्वामित्व के साथ अपनी हिस्सेदारी बरकरार रखेगा, और इसका विस्तार नहीं करेगा, साथ हीं कुछ अपवादों के अधीन अपने आनुपातिक स्वामित्व को बनाए रखने के लिए एजीसीओ के भविष्यगत वापस-खरीद कार्यक्रमों में भाग लेगा। टैफे, शेयरधारकों की बैठकों में एजीसीओ के निदेशक मंडल की सभी संस्तुतियों के पक्ष में अपने शेयरों से मतदान करके एजीसीओ का समर्थन करेगा, जिसमें टैफे को निश्चित छूट भी होगी।

कोटा में निशुल्क कोचिंग लेकर मध्यप्रदेश की मोनाली और छत्तीसगढ़ की मीनाक्षी बनेगी डॉक्टर

मुंबई/पटना। मध्यप्रदेश की मोनाली और छत्तीसगढ़ की मीनाक्षी के घर में इन दिनों खुशियों का माहौल है। समाज, पड़ौसी और परिवार वालों की तरफ से बधाइयां आ रही है। कारण है, निर्धन परिवार की ये दोनों प्रतिभाएं डॉक्टर बनने जा रही हैं। सरकारी स्कूलों में हिन्दी माध्यम में पढ़ने वाली इन बालिकाओं का ही नहीं इनके परिवार का भी सपना पूरा हो गया है। कोटा में एल एन माहेश्वरी परमार्थ न्यास की शिक्षा संबल योजना में निशुल्क पढ़कर बालिकाओं ने नीट 2025 में बेहतर स्कोर प्राप्त किया है। साथ ही हिन्दी माध्यम के सरकारी स्कूल से पढ़ने के बाद नीट क्रेक कर सामाजिक बदलाव का नया उदाहरण भी गढ़ा है। शिक्षा संबल के तहत सरकारी स्कूलों के हिन्दी माध्यम के 105 विद्यार्थियों में से 103 विद्यार्थी नीट में क्वालीफाई हुए हैं। इन सभी को एलन की ओर से कोटा में निशुल्क कोचिंग दी गई तथा एल एन माहेश्वरी परमार्थ न्यास की ओर से निशुल्क आवास व भोजन की सुविधा दी गई। एल एन माहेश्वरी परमार्थ न्यास के ट्रस्टी डॉ.नवीन माहेश्वरी ने बताया कि वर्ष 2024 में शुरू की गई शिक्षा संबल योजना के तहत मध्य भारत के राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड राज्यों के हिन्दी माध्यम के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए। परीक्षा में प्रदर्शन की वरीयता के आधार पर 81 छात्राएं तथा 45 छात्रों का नीट-2025 की तैयारी के लिए चयन किया गया।

सैमसंग ने भारत में नए गैलेक्सी फोल्डेबल फोन्स के लिए प्री-रिजर्व बुकिंग शुरू की

मुंबई/पटना। सैमसंग 9 जुलाई को न्यूयॉर्क में अपनी अगली पीढ़ी के फोल्डेबल स्मार्टफोन्स लॉन्च करने जा रहा है। यह नई सीरीज एआई-पावर्ड इंटरफेस के साथ आएगी और इसमें एडवांस हार्डवेयर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे स्मार्टफोन का अनुभव पहले से कहीं ज्यादा बेहतर और स्मार्ट हो जाएगा। आधिकारिक लॉन्च से पहले भारत में ग्राहक सिर्फ 2000 रूपए की टोकन राशि देकर इन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को डिवाइस की खरीद पर 5999 रूपए तक के विशेष लाभ मिलेंगे और साथ ही उन्हें अर्ली डिलीवरी का भी फायदा मिलेगा। ग्राहक इन डिवाइसों को सैमसंग डॉट कॉम , सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, एमेजन डॉट इन, फ्लिपकार्ट डॉट कॉम और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स से प्री-रिजर्व कर सकते हैं। सैमसंग ने इन डिवाइसों को उपयोगकताओं की असल जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है–बेहतर परफॉर्मेंस, और भी तेज कैमरे और स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ। गैलेक्सी एआई सिर्फ डिवाइस की क्षमता तक सीमित नहीं है, यह इस बात पर आधारित है कि लोग टेक्नोलॉजी के साथ कैसे जुड़ते हैं और उसे अपने जीवन का हिस्सा कैसे बनाते हैं।

जिला परिषद पालघर कार्यालय में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया कृषी दिन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। हरित क्रांति के शिल्पकार और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वसंतराव नाईक की जयंती के उपलक्ष्य में जिला परिषद पालघर द्वारा कृषी दिन का भव्य आयोजन जननायक बिरसा मुंडा समिती सभागृह में किया गया। यह कार्यक्रम जिला परिषद और पंचायत समिति पालघर के कृषि विभाग के संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ, जिसमें जिले के प्रगतिशील किसानों का सन्मान किया गया तथा उन्हें प्रेरणादायक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने की। मंच पर उनके साथ अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला अधीक्षक कृषी अधिकारी निलेश भागेश्वर, कृषि संशोधन केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. दहिफले, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत, चंद्रशेखर जगताप, उपविभागीय कृषी अधिकारी विश्वास बर्वे, तहसील कृषी अधिकारी ए. एस. बागुल, गट विकास अधिकारी बापूराव नाले सहित अन्य विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत स्व.वसंतराव नाईक की प्रतिमा के पूजन से हुई। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने किसानों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ह्कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं बल्कि समाज को खड़ा करने वाली शक्ति है। स्थायीत्व की दृष्टि से यह पलायन जैसी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने

प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित

मोखाडा तहसील के किसान पांडुरंग चौधरी की विशेष सराहना करते हुए उन्हें ₹किसानों का आदर्श₹ बताया। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने कहा कि जिन किसानों का सम्मान किया गया है, उन्होंने सरकारी योजनाओं का बेहतर उपयोग कर प्रगति हासिल की है और बाकी किसानों को भी उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। जिला अधीक्षक कृषी अधिकारी निलेश भागेश्वर ने अपने भाषण में पारंपरिक ज्ञान के साथ आधुनिकता को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं कृषि संशोधन केंद्र के डॉ. दहिफले ने नवाचार और प्रयोग की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि शोध की तकनीक किसानों तक पहुँचाना हमारा लक्ष्य है। कार्यक्रम का प्रारंभिक भाषण प्रभारी कृषी विकास अधिकारी स्मिता पाटील ने प्रस्तुत किया। इस दौरान खरीप सीजन फसल स्पर्धा 2024 के तहत आदिवासी और सर्वसाधारण वर्ग के तीन विजेता किसानों को पुरस्कार दिये गये। साथ ही प्रगतिशील किसानों को आम का पौधा, वर्मी कम्पोस्ट और प्रशस्तिपत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कई किसानों ने अपने खेती के अनुभव, समस्याएं और नव प्रयोग मंच से साझा किये। जिला परिषद के मुख्य प्रवेशद्वार पर कृषि उत्पादों पर आधारित प्रोसेस्ड वस्तुओं, स्थानीय रानभाजियों और अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जिसे मान्यवरों ने सराहा। कार्यक्रम का समापन जिला परिषद परिसर में वृक्षारोपण कर किया गया।

उल्हासनगर के विकास के लिए मुख्यमंत्री से विधायक की चर्चा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मानसून सत्र के दौरान उल्हासनगर के आमदार कुमार आयलानी ने उल्हासनगर शहर के विविध विकास के मुद्दे को लेकर शहर के प्रमुख रस्ते सीसी करने हेतु निधी, पानी की खुद की योजना कार्यान्वित करना तथा विभिन्न मुद्दे के लिए संबधित अधिकारी के साथ मानसून सत्र के दौरान एक विशेष बैठक का आयोजन करना एव अन्य मुद्दों पर मुख्यमंत्री से भेट कर चर्चा की ।

भारतीय फोर्जिंग उद्योग के नवाचार और विकास के लिए AIFI ने किया 'जेननेक्स्ट उद्यमी फोरम' का शुभारंभ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के फोर्जिंग क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा देने वाली एक ऐतिहासिक पहल के तहत, एसोसिएशन ऑफ इंडियन फोर्जिंग इंडस्ट्री ने जेननेक्स्ट एंटरप्रेन्योर्स फोरम की शुरूआत की घोषणा की है, यह मंच भारत में अपनी तरह का पहला मंच है, जिसका उद्देश्य फोर्जिंग उद्योग में उभरते नेताओं को मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करना है। यह फोरम एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी के व्यवसायिक नेताओं को सशक्त बनाना है, जो नवाचार, तेज उत्पाद विकास और सततता की अनिवार्यता से परिभाषित वैश्विक औद्योगिक परिदृश्य में कदम रख रहे हैं। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था औसतन 7.2% की वृद्धि दर से तेजी से आगे बढ़ रही है, और उद्योग क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , इंटरनेट ऑफ थिंग्स , रोबोटिक्स और फिनटेक जैसी विघटनकारी तकनीकों को तेजी से अपनाया जा रहा है, ऐसे समय में फोर्जिंग क्षेत्र एक बड़े बदलाव के द्वार पर खड़ा है। इस नए औद्योगिक परिदृश्य के प्रति AIFI की एक सक्रिय पहल के रूप में जेननेक्स्ट एंटरप्रेन्योर्स फोरम की शुरूआत की गई है, जो पारिवारिक फोर्जिंग व्यवसायों की नई पीढ़ी के उत्साह, अनुकूलता और वैश्विक दृष्टिकोण को पहचानते हुए उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम है।

इस परिवर्तनकारी पहल पर बोलते हुए, एसोसिएशन ऑफ इंडियन फोर्जिंग इंडस्ट्री के अध्यक्ष यश मुनोत ने कहा, जेननेक्स्ट एंटरप्रेन्योर्स फोरम सिर्फ एक मंच नहीं है, बल्कि भारतीय फोर्जिंग उद्योग के भविष्य को आकार देने के लिए एक आंदोलन है। हमारा विजन भारतीय फोर्जिंग क्षेत्र को नवाचार, गुणवत्ता और सततता के लिए वैश्विक मानक के रूप में स्थापित करना है। इस फोरम के माध्यम से हम अगली पीढ़ी के उद्यमियों की रचनात्मकता, ऊर्जा और महत्वाकांक्षा को सक्रिय रूप से उपयोग में लाना चाहते हैं। हम उन्हें रणनीतिक समझ, उद्योग की श्रेष्ठतम कार्यप्रणालियों तक पहुंच, अकादमिक-औद्योगिक साझेदारी के माध्यम से नेतृत्व प्रशिक्षण और वैश्विक अनुभव उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पहल उत्तराधिकार से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने, पारंपरिक व्यावसायिक मॉडल को आधुनिक बनाने और एक सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे उद्योग की सतत वृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित हो सके। हमारी मिशन तकनीक, संचालन और नेतृत्व में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, जो सतत और समावेशी विकास पर आधारित है।

वरिष्ठ अधिवक्ता डीके पांडे के जन्मदिन समारोह में शामिल हुए गणमान्य

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मुंबई उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता तथा भाजपा लीगल सेल के पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट डीके पांडे के जन्मदिन समारोह (30 जून) में शहर की तमाम जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। मंगल नगर, मीरा रोड स्थित उनके कार्यालय में सुबह से ही बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। उन्हें जन्मदिन की बधाई देने वाले प्रमुख लोगों में दिलीप जैन (जिलाध्यक्ष), रवि व्यास (145 विधानसभा चुनाव प्रमुख), विक्रम प्रताप सिंह (145 विधानसभा चुनाव प्रमुख) हंसमुख गहलोत (पूर्व उप महापौर) ,सुरेश सिंह (उभामो जिलाध्यक्ष), कमलेश दुबे (उत्तर भारतीय मोर्चा जिला

महामंत्री), नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे, नगरसेवक विजय राय, नगरसेविका नीला सोंस, नगरसेवक संजय थराडे, संजय मिश्रा (मंडल अध्यक्ष) पत्रकार महेंद्र पांडेय, वरिष्ठ समाजसेवी राजेश मिश्रा, सुरेन्द्र तिवारी, अनीता राय, ज्ञानू दीदी, रेनू मल्लाह, पूजा विश्वकर्मा, रमेश मिश्रा, राधेश्याम मिश्रा, विवेक उपाध्याय, ओम प्रकाश सिंह, ओमप्रकाश मिश्रा, मुकेश त्रिपाठी, युवा समाजसेवी संदीप तिवारी, एड. प्रथमेश शुक्ला, मनीष तिवारी, मनीष मिश्रा, रवि तिवारी, मनोज चतुर्वेदी, विद्याशंकर चतुर्वेदी, डीके मिश्रा, मंडा सिंह विनोद सिंह, भरत मिश्रा, भाजपा नेता संतोष दीक्षित, नवीन सिंह, आशीष द्विवेदी, बृजेश सिंह, युवा अधिवक्ता राजकुमार मिश्र, बृजेश तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार राजेश उपाध्याय आदि का समावेश रहा। अंत में प्रीति भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

डॉक्टर्स डे पर पालघर में रक्तदान शिविर आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। डॉक्टर्स डे के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र राज्य राजपत्रित वैद्यकीय अधिकारी संघटना, पालघर की ओर से ग्रामीण अस्पताल, पालघर में एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए, स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ इस जीवनदायिनी पहल में भाग लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सामाजिक प्रतिबद्धता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस शिविर को अत्यंत उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। जिसमें कुल 79 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर जरूरतमंदों को जीवन देने में सहयोग किया। डॉक्टर दिवस जैसे विशेष अवसर पर आयोजित यह उपक्रम निश्चित रूप से सराहनीय रहा।

इस अवसर पर संघटना के अध्यक्ष डॉ. रितेश पटेल, कार्याध्यक्ष डॉ. तनवीर शेख, सचिव डॉ. भाऊसाहेब चत्तर, कोषाध्यक्ष डॉ. प्रांजली पाटील सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी शिविर में उपस्थित रहकर सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। शिविर में जिला शल्यचिकित्सक डॉ. रामदास मराड, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला माता व बाल संगोपन अधिकारी डॉ. सागर पाटील, सहायक जिला स्वास्थ्य

अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे, निवासी वैद्यकीय अधिकारी डॉ. योगेश सुरलकर, वैद्यकीय अधीक्षक डॉ. लोहारे, तलासरी के तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीकांत कुलकर्णी, वाडा की तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरयू तुपकर तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अजय ठाकरे समेत कई स्वास्थ्य कर्मियों ने रक्तदान कर शिविर को सफल बनाया। शिविर के सफल आयोजन के लिए सभी रक्तदाताओं व सहयोगी कार्यकताओं का संघटना की ओर से आभार व्यक्त किया गया। डॉक्टर दिवस पर स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा किये गए इस सामाजिक कार्य ने यह संदेश एक बार फिर स्पष्ट किया कि ₹सेवा ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

पूर्वांचल के किसानों, मजदूरों और युवाओं की समस्याओं का निराकरण करे सरकार: डॉ द्रिगेश यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पूर्वी उत्तर प्रदेश के 28 जिलों के सर्वांगीण विकास की आवाज उठाने वाली प्रमुख संस्था पूर्वांचल विकास परिवार द्वारा मुंबई के दहिसर उपनगर के वैशाली नगर में आयोजित चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम में पूर्वांचल से जुड़ी अनेक ज्वलंत समस्याओं के निराकरण की मांग की गई। इस अवसर पर संस्था के अनेक पदाधिकारियों समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. द्रिगेश यादव ने कहा कि पूर्वांचल की समस्या पूर्वी उत्तर प्रदेश के 28 जिलों में रहने वाले किसानों, मजदूरों और युवाओं की समस्या है। हमारी संगठित ताकत और उसकी आवाज ही सत्ता में बैठे लोगों को ध्यानाकर्षित कर सकती है। उन्होंने कहा कि हमें जाति और धर्म से ऊपर उठकर पूर्वांचल की आवाज बनना होगा। उन्होंने कहा कि आम सहमति के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने किसी भी कीमत पर आपसी सद्भावना और भाईचारे को बनाए रखने की अपील की। संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, कार्याध्यक्ष डीएन यादव, राष्ट्रीय महासचिव सभाजीत यादव, संतोष यादव, संजय तिवारी, श्यामलाल यादव, श्यामजीत यादव समेत अनेक लोगों ने भी अपनी बातें रखी। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में मोतीलाल यादव, राजकुमार यादव, मानिकचंद यादव, राकेश यादव, लोकगीत गायक रामविलास राजभर, इंद्रजीत यादव, राजेंद्र विश्वकर्मा,पंकज यादव, बृजेश यादव ,लालसाहब यादव झुल्लूर यादव, मिमिक्री आर्टिस्ट सतीश यादव , सुरेंद्र यादव , कवि विमलेश यादव जौनपुरिया , पूर्वांचल के सच्चे सिपाही परमा यादव ,मुंबई पूर्वांचल परिवार के अध्यक्ष राकेश यादव, गोरख यादव, विजय यादव, जिलाध्यक्ष पालघर दयाराम राजभर, सुदामा तिवारी, हनुमान सरोज, मधु गौड़, दयाशंकर यादव, लोरिक यादव, धीरेंद्र यादव, ईश्वर देव यादव आदि का समावेश रहा। अंत में कार्यक्रम के आयोजक बाबुलनाथ यादव तथा राघवेंद्र यादव ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ब्रह्मलीन प.पू. श्री समर्थ सद्गुरु सीताराम स्वामी महाराज शेडगे ने ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ब्रह्मलीन प.पू. श्री समर्थ सद्गुरु सीताराम स्वामी शेडगे पिछले 13 वर्षों से हर वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक सामग्री वितरित करते आ रहे हैं।

उनके पुत्र अपने पिता के आदर्श वाक्य को ध्यान में रखते हुए, उमेशदादा सीताराम शेडगे ने निगड़े हाई स्कूल, निगड़े प्राइमरी स्कूल, गोलेकोंडा स्कूल, रूपवली स्कूल, वांद्रेकोंडा स्कूल, पिंपलवाड़ी स्कूल, गोठवली स्कूल, वकिये स्कूल, पदाजिचा कोंडा स्कूल, पंचकृषि स्कूल तथा पोलादपुर के वडघर स्कूल के लगभग 300 गरीब तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक, लांग बुक, कंपास बॉक्स, स्कूल बैग, रेनकोट, पेन तथा पेंसिल आदि वितरित की हैं। श्री समर्थ सद्गुरु सीताराम स्वामी मनः शांति सेवाश्रम कंगोरी किले की तलहटी में स्थित है। बाबा का आदर्श वाक्य है सार्वजनिक सेवा ही सच्चा दान है।

यह कार्यक्रम पिछले 13 वर्षों से हर साल आयोजित किया जाता है। उमेशदादा शेडगे ने कहा कि कई सामाजिक कार्यकताओं ने इस कार्यक्रम के लिए बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया है।

इस अवसर पर डॉ दिलीप पवार (सेवार्थ फाउंडेशन), धीरूभाई व्यास (अध्यक्ष स्टैंडर्ड ग्रेस स्पेशलिस्ट प्राइवेट लिमिटेड), गणेश शेठ बोहाडे (नारायणिलक्ष्मी समूह चेन्नई), प्रवीण जाधव ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में दिनकर फणसे गुरुजी, पिंपलवाड़ी गाँव के सरपंच संदीप सुर्वे, चंद्रकांत शेठ गोगावले (पंचकृषि अध्यक्ष), पिंपलवाड़ी के पूर्व सरपंच शिवाजी शेलार, निगड़े गाँव की सरपंच नूतन मोरे, रूपावली गाँव की सरपंच पूनम सुंभे, महादेव सुंभे, शंकर शेडगे और विभाग के कई गणमान्य लोग और सभी स्कूल के शिक्षक, प्राचार्य, कर्मचारी और अभिभावक उपस्थित थे।

महिपत साणस, गणपत साणस, रमेश सणस, शाम पायल, दीपक डोके और मित्रगण, दगडू कदम, दत्ता शेडगे का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। उमेशदादा सीताराम शेडगे, प्रकाश सीताराम शेडगे, सीताराम शेडगे, श्रीपत शेडगे, लीला दलवी और पूरे शेडगे परिवार ने हर साल की तरह इस साल भी कार्यक्रम का आयोजन किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में 25 साल पुराने हत्याकांड में बीजेपी नेता सहित दो को हुई उम्र कैद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय रणजीत कुमार की अदालत ने बहुचर्चित जनार्दन सिंह हत्याकांड में सोमवार को बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के नेता विजय सिंह विद्यार्थी व प्रमोद कुमार सिंह को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला 25 वर्ष पूर्व 3 अक्टूबर 2000 को सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के इटौरी बाजार का है। वादी अनिरुद्ध सिंह निवासी उड़ली सरायख्वाजा ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि उनके भाई जनार्दन सिंह की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना से चार दिन पूर्व वादी का भतीजा देवेंद्र सिंह बाजार गया था, जहां सोनिकपुर निवासी अजय कुमार ने उसे धमकी दी थी कि यदि उसके काम में किसी ने दखल दिया, तो गोली मार दी जाएगी। इस पर वादी ने एक पंचायत बुलाई, जिसकी जानकारी अजय समेत विजय सिंह विद्यार्थी को हो गई। इस पर वे लोग नाराज हो गए।वारदात वाले दिन वादी का भाई जनार्दन सिंह और भतीजा देवेंद्र जब इटौरी बाजार से लौट रहे थे,

तभी दो मोटरसाइकिलों से अजय कुमार सिंह, विजय कुमार सिंह (पुत्रगण तिलकधारी सिंह निवासी सोनिकपुर) तथा प्रमोद कुमार सिंह (पुत्र सूबेदार सिंह, निवासी सरायख्वाजा) पहुंचे। विजय और प्रमोद ने जनार्दन को पकड़ लिया और ललकारते हुए कहा, आज इसे जान से खत्म कर दो। इसके बाद अजय ने फायरिंग कर दी, जिससे जनार्दन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।गोली चलने की आवाज पर वादी और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन हमलावरों ने चेतावनी दी कि जो पास आएगा, उसे भी गोली मार देंगे। बाद में सभी आरोपी एक ही मोटरसाइकिल से भाग निकले। दूसरी बाइक घटनास्थल पर ही छूट गई। पुलिस ने मामले की विवेचना कर कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। सरकारी वकील अरुण कुमार ने प्रभावी पैरवी करते हुए गवाहों के माध्यम से आरोपियों की भूमिका अदालत में स्पष्ट की। दोनों पक्षों की लंबी बहस के बाद न्यायालय ने विजय सिंह विद्यार्थी और प्रमोद कुमार सिंह को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर मजदूरों का जीवन बचाने का लिया संकल्प

◆ मजदूरों के लिए निःशुल्क जाँच व चिकित्सा शिविर आयोजित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाजवादी मजदूर सभा ने पीडीए के महानायक, सामाजिक न्याय के योद्धा और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 52 वें जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए मजदूरों के लिए निःशुल्क जाँच व चिकित्सा शिविर आयोजित कर उनकी जांच और उपचार कराया तथा उनको विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया ।समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जौनपुर शहर शाहगंज पड़ाव के पास लेबर चौराहा पर आयोजित शिविर में डॉक्टरों टीम ने मजदूरों की विभिन्न परेशानी सुनीं। उनकी जांच शुरू की और दवाएं उपलब्ध कराईं।

इस दौरान हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. आलोक यादव, डा. नरेन्द्र यादव, डा. पूजा यादव, डा. बीके यादव, डॉ. मो० आसिम राईन सहित अन्य डॉक्टरों ने मजदूरों को विभिन्न बीमारियों से बचाव के तरीके भी बताए। उन्हें समझाया कि अपनी दिनचर्या के बीच कैसे खुद को स्वास्थ्य रखें? जिन मजदूरों ने जोड़ों में दर्द, कंधे में खिंचाव, सिर में अक्सर होने वाले दर्द सहित अन्य समस्याएं बताई उन्हें उपचार और एक्सरसाइज बताया गया। शिविर का शुभारंभ करते हुए समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने कहा कि पीडीए की सेवा करने का जज्बा हमें विरासत में मिला है। हमारी कोशिश है कि इस जज्बे को कायम रखें। हमारे परिवार की परंपरा है कि हम किसी को दुखी नहीं देख सकते हैं। हमारे आराध्य नेता पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव यही भी चाहते हैं कि प्रदेश का हर नागरिक

खुशहाल हो। इसी वजह से उनके जन्मदिन पर जश्न मनाने के बजाय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जब हमारा मजदूर खुश होगा। पीड़ा रहित होगा तभी प्रदेश और देश में खुशहाली

◆ डाक्टरों ने उपचार के साथ बीमारी से बचने के तरीके भी बताए

आएगी। अमीर और सुविधा संपन्न लोग निजी कारपोरेट अस्पताल में उपचार करा सकते हैं लेकिन रोज कमाने खाने वालों के लिए यह संभव नहीं है। यही वजह है कि हम डॉक्टरों की टीम लेकर खुद मजदूरों के पास पहुंचे हैं ताकि उनका दर्द दूर कर सकें। कार्यक्रम का संचालन मंजय कन्नौजिया और अध्यक्षता मनोज कुमार शर्मा ने किया। साहब लाल गौतम, विशाल कन्नौजिया, मोड्ड जावेद, अवधेश शर्मा, रमाशंकर चौहान मौजूद रहे।

डाक्टरों का हुआ सम्मानः अन्त में चिकित्सक दिवस पर मजदूरों का उपचार करने वाले डॉक्टरों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई साथ ही उनका माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. आलोक यादव, डा. नरेन्द्र यादव, डा. पूजा यादव, डा. बीके यादव, डॉ. मो० आसिम राईन सहित अन्य डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर जिस तरह से मरीजों की सेवा हुई है। वह यादगार है। जौनपुर ही नहीं पूरे प्रदेश में यह अपने आप में अलग तरह का कार्यक्रम है। उन्होंने डॉक्टरों से अपील की कि गरीब मजदूरों की सेवा के लिए तत्पर रहें। उनका जीवन स्तर ऊंचा उठाने में अपना योगदान दें। यही असली समाजवाद है। हम समाजवादी लोग हर वर्ग व समाज को खुशहाल बनाने की मुहिम पर निकले हैं। यह मुहिम डॉक्टरों की मदद से अंजाम तक पहुंचेगी।

पीयू में प्रवेश प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन आवेदन 2 जुलाई तक

◆ समर्थ पोर्टल के माध्यम से करें आवेदन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 02 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह ने दी। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि शोध गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करना है, जिससे विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें।विश्वविद्यालय परिसर में कुल छह संकाय विज्ञान, अनुप्रयुक्त

सामाजिक विज्ञान, विधि, अभियांत्रिकी, फार्मेसी एवं व्यवसाय प्रबंधन के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम संचालित हैं। साथ ही रज्जू भैया संस्थान में भी शिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रो. सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा जुलाई के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाएगी, जिसका विस्तृत कार्यक्रम एवं प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की विशिष्ट पहचान इसकी अत्याधुनिक सुविधाओं में निहित है, जिसमें उच्च स्तरीय प्रयोगशालाएं, समृद्ध केंद्रीय पुस्तकालय, वाई-फाई युक्त परिसर, इंडोर एवं आउटडोर स्टेडियम तथा छात्रावास की सुविधाएं सम्मिलित हैं। यह सभी सुविधाएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सहायक सिद्ध हो रही हैं।

डॉक्टर डे के पर उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक जौनपुर की टीम ने युवा डॉक्टर रॉबिन सिंह को किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर ही नहीं बल्कि पूर्वांचल के जाने माने कृष्णा हार्ट केयर के डॉक्टर रॉबिन सिंह को आज उतरशक्ति हिंदी दैनिक टीम ने एक मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर डॉक्टर रॉबिन ने बताया कि भारत सरकार ने 1991 में 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के रूप में घोषित किया। यह दिन प्रसिद्ध चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती का प्रतीक है।

बदलापुर में महिला ने ट्रेन के सामने कूदकर दी जान

बदलापुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में रेलवे स्टेशन श्रीकृष्णा नगर के पूरब सरायहरखू- श्रीकृष्णा नगर रेलवे स्टेशन के बीच ऊदपुर घाटमपुर गांव के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक अधेड़ महिला की मौत हो गयी। घटना रविवार अल सुबह की है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जौनपुर की जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ऊदपुर घाटमपुर की निवासिनी कुसुम देवी 52 वर्ष पत्नी रमापति प्रजापति ने गृह कलह से ऊब कर हावड़ा से हरिद्वार जानें वाली कुम्भ एक्सप्रेस के सामने कूद कर जान दे दी। शव रेल की पटरी के बीच पड़ा रहनें के कारण रेलवे स्टेशन श्रीकृष्णा नगर के स्टेशन अधीक्षक चन्दन कुमार ने घटना की सूचना जीआरपी जौनपुर को दिया। इसी बीच रेलवे ट्रैक पर महिला के शव पाए जाने की खबर ऊदपुर घाटमपुर गांव के लोगों को हुई। चूंकि कुसुम देवी रात से ही घर से गायब थीं। जिनकी खोज बीन परिजनों द्वारा किया जा रहा था। परिजन जब रेलवे ट्रैक पर पहुंचें तो पहचान होने पर चीख पुकार मच गई। इधर वाराणसी से लखनऊ की ओर जा रही वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलवे ट्रैक से शव न हटाए जाने के कारण सुबह 4 बजे से 5.5 बजे तक खड़ी रही। हलांकि सूचना मिलने के बाद बदलापुर कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर शव को कब्ज लेते हुए अग्रिम कार्रवाई में लग गई है।

शाहगंज में अंबेडकर प्रतिमा की उंगली तोड़ी, हिरासत में आरोपी

ग्रामीणों में भारी आक्रोश, मौके पर पहुंची पुलिस ने कराया मरम्मत

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ताखा पूरब ग में रविवार रात को डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने देखा कि प्रतिमा की उंगली टूटी हुई है। इससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। खबर फैलते ही बसपा के वाराणसी मंडल प्रभारी अनिल गौतम, विधानसभा अध्यक्ष विकास गौतम और नगर अध्यक्ष मुकेश कुमार गौतम मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। साथ ही प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। उन्होंने प्रतिमा की मरम्मत कराई। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने गांव के एक युवक पर प्रतिमा तोड़ने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

सूर्य नारायण सिंह मुन्ना बने काशी प्रांत उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सूर्य नारायणसिंह मुन्ना पूर्व जिला अध्यक्ष जौनपुर को राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के स्वीकृति से व निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह एवं काशी प्रांत के अध्यक्ष पवन तिवारी के सहमति से काशी प्रांत उत्तर प्रदेश का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उक्त नियुक्ति पत्र जारी होने के पश्चात इसकी सूचना जब शुभचिंतको को मिली तो लगातार शुभकामनाएं संदेश मुन्ना सिंह को दिए जा रहे हैं।सूर्य नारायण सिंह मुन्ना ने कहा कि मुझे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा जो भी जिम्मेदारी दी गई है उसके लिए मैं सभी को दिल से धन्यवाद करता हूं और यह विश्वास दिलाता हूं कि मैं पार्टी के प्रति पूरे निष्ठा व ईमानदारी के साथ पार्टी के कार्यों और विचारों को जन-जन तक पंहुचाऊंगा और आगामी चुनाव में पार्टी बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेगी।उक्त जानकारी आम आदमी पार्टी जौनपुर के निवर्तमान जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी ने दिया।

सरला यादव ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव का पदभार संभाला

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में लखनऊ विश्वविद्यालय से स्थानांतरित होकर आईं सहायक कुलसचिव सरला यादव ने अपने पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्हें विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण कराया। बताते चलें कि सरला यादव इससे पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। शासन स्तर से उनकी पदोन्नति के उपरांत उन्हें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। कार्यभार ग्रहण के अवसर पर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह, पूर्व अध्यक्ष रामजी सिंह, महामंत्री रमेश यादव, सुशील प्रजापति, राधेश्याम सिंह मुन्ना, वरिंदर यादव सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात सरला यादव ने कहा कि ह्लविश्वविद्यालय के समग्र विकास और प्रशासनिक सुचारू संचालन के लिए मैं हरसंभव योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। टीम भावना के साथ कार्य कर विश्वविद्यालय को आगे ले जाने का प्रयास करूंगी।

विवेचना में मदद के नाम पर शराब मांगना सिपाही को पड़ा भारी, दर्ज हुआ मुकदमा

रियाजुल हक

सुरेरी,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के सुरेरी थाना में तैनात एक सिपाही(आरक्षी) की करतूत ने न सिर्फ पूरे पुलिस महकमे की छवि पर दाग लगाया है। बल्कि आम लोगों के भरोसे को भी झकझोर दिया है। भदकिन गांव से जुड़े एक मामले में सिपाही इबरान अली पर पीड़ित से बीयर के नाम पर 300 रुपये की अवैध वसूली करने का आरोप लगा है। शिकायत की जांच के बाद सिपाही को निलंबित करते हुए भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, भदकिन गांव निवासी एक पीड़ित व्यक्ति ने अपने पड़ोसी से हुए विवाद में दर्ज एनसीआर की विवेचना कराने के लिए उक्त थाने पर पहुंचा था। वह थाने में ही बैठा था कि तभी सिपाही इबरान अली ने उसे बाहर बुलाया और बात करने लगा। आरोप है कि सिपाही ने विवेचना में मदद करने से पहले बीयर पिलाने की बात कही। पीड़ित ने 100 रुपये देने की कोशिश की, लेकिन सिपाही ने 100 रुपए न लेकर प्रति बीयर 160 रुपये की दर से दो बीयर के लिए 300 रुपये की मांग की। पीड़ित ने विवश होकर सिपाही को 300 रुपए दे दिए, लेकिन बाद में उसने पूरी घटना की शिकायत पुलिस के उच्चाधिकारियों से की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कराई गई, जिसमें सिपाही इबरान अली दोषी पाया गया। आरोपी सिपाही को सस्पेंड किया गया है। इसके बाद सुरेरी थाने में ही उसके खिलाफ भ्रष्टाचार की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। यह मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में चचाओं का दौर तेज हो गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब थानों में इस तरह की वसूली खुलेआम होने लगे, तो आम आदमी न्याय की उम्मीद लेकर कहां जाएगा।

टाइल्स मिस्त्री की विषैले जंतु के काटने से मौत, परिवार में मचा कोहराम

प्रमोद सैनी, बक्सा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के तेजीबाजार थाना क्षेत्र के दानूपुर ग्रामसभा में टाइल्स मिस्त्री अवधेश विश्वकर्मा (55) की सर्पदंश से मौत हो गई है। इस हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।जानकारी के अनुसार,

अवधेश विश्वकर्मा पुत्र हरगोविंद विश्वकर्मा पेशे से टाइल्स लगाने का काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बाताया जा रहा है कि वह अपनी मोटरसाइकिल को घर के छप्पर के नीचे खड़ा करने गए थे। इसी दौरान किसी विषैले जंतु ने उन्हें डंस लिया। उस समय कुछ भी उसको पता नहीं चला, लेकिन कुछ ही देर में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन जब तक कुछ समझ पाते, तब तक हालत गंभीर हो गई। आनन-फानन में परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन जौनपुर पहुंचते-पहुंचते अवधेश की मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। अवधेश अपने पीछे बूढ़े पिता, पत्नी और तीन पुत्रों को छोड़ गए हैं। घर की सारी ज़िम्मेदारी अब मोनू जो घर में सबसे बड़ा है उसके ऊपर आ गई है। सोनू और अंकित भी रोजगार के सिलसिले में घर से बाहर रहते हैं।

मामूली विवाद को लेकर मनबढ़ युवक ने महिला पर बंदूक तानकर दी जान से मारने की धमकी

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में गंदा पानी बहाने को लेकर हुई विवाद के दौरान मनबढ़ पड़ोसी युवक ने महिला पर लाइसेंसी बंदूक तानते हुये जान से मारने की धमकी तक दे डाली। यह घटना जैतपुर थाना क्षेत्र के नक्खी घाट का बतायी गयी है। महिला की सूचना पर पुलिस ने मनबढ़ युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक जय प्रकाश यादव महिला का पड़ोसी बताया गया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जैतपुरा इंस्पेक्टर ने बंदूक की लाइसेंस रद्द करवाने के लिए जिलाधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने की बात कही है। मिली जानकारी के अनुसार रंभा देवी नक्खी घाट में अपने परिवार के साथ रहती है जबकि जयप्रकाश यादव पड़ोस में रहता है। महिला का आरोप है जयप्रकाश और उसके घर के लोग अपने घर का गंदा पानी उसके घर की ओर बहा देते हैं। इसी बात का विरोध करने को लेकर जयप्रकाश यादव और उसके परिवार के लोग हाथ में लाठी लेकर बाहर निकल गए और महिला को गालियां देने लगे। इसी बीच जयप्रकाश ने घर में रखी लाइसेंसी बंदूक लेकर बाहर निकाला और महिला पर तानते हुए जान से मारने की धमकी तक दे डाली। मोहल्ले में रह रहे लोगों के बीच बचाव करने पर किसी तरह मामला शांत हुआ। इसी बीच किसी ने पूरे घटनाक्रम को मोबाइल में कैद कर उसे वायरल कर दिया। इस मामले में महिला ने पुलिस को मनबढ़ युवक के विरुद्ध तहरीर दी है। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार करते हुए महिला को मेडिकल के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना को लेकर दोनों पक्षों में तनाव का माहौल बना हुआ है।

बुजुर्गों को समर्पित एक स्नेहिल सुबह, लायंस क्लब रॉयल का सेवा भाव

बुजुर्गों का सम्मान सर्वोपरिः लायन मधुसूदन बैंकर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।समाजसेवा की भावना को समर्पित लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा आज नगर के सुक्खीपुर स्थित वृद्धाश्रम में एक विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम में निवासरत सभी वरिष्ठजनों को प्रातःकाल गर्मागर्म जलेबी व समोसे का नाश्ता कराया गया। क्लब के सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ आत्मीयता के साथ समय बिताते हुए उनका हालचाल जाना और अपनापन का भाव प्रकट किया।क्लब अध्यक्ष लायन मधुसूदन बैंकर ने इस मौके पर कहा,हमें अपने बुजुर्गों का हमेशा सम्मान करना चाहिए, क्योंकि इनका आशीर्वाद अमूल्य होता है और यह कभी व्यर्थ नहीं जाता।कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम के केयरटेकर रवि चौबे द्वारा ई-रिक्शा खरीदने हेतु सहयोग का निवेदन किया गया, जिस पर क्लब ने तत्परता दिखाते हुए ?5100/- की सहयोग राशि प्रदान की।

इस पुण्य अवसर पर नव-निर्वाचित अध्यक्ष संजीव साहू, कोषाध्यक्ष राजेश किशोर, उपाध्यक्ष आनंद साहू, विष्णु गौड़, रवि शर्मा, ऋषि श्रीवास्तव, विनोद अग्रहरि, अजय मोदनवाल, हर्षित बैंकर, श्रेयश बैंकर सहित कई सदस्यों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस सेवा कार्य को सार्थकता प्रदान की।

सेना में जौनपुर के जवान को मिली शहादत, गम में डूबा पूरा गांव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। देश की रक्षा में डटे जौनपुर जिले के एक और वीर सपूत ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। खुटहन थाना क्षेत्र के नसीब सराय गांव निवासी और भारतीय सेना में सेवारत लेफ्टिनेंट कर्नल नवीन यादव एक ऑपरेशन के दौरान वीरगति को प्राप्त हो गए है। जैसे ही यह दुःखद समाचार गांव और जिले में पहुँचा, समूचे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शहीद के

घर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है। आसपास के गांवों से सैकड़ों लोग श्रद्धांजलि देने पहुंच रहे हैं। सेना और प्रशासन की ओर से उनके बलिदान को नमन करते हुए औपचारिक श्रद्धांजलि दी गई। नवीन यादव भारतीय सेना के बहादुर अफसरों में गिने जाते थे और देश की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे।

पति से नाराज महिला ने किया आत्महत्या

घर में लटकता मिला शव, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तहसील अंतर्गत सरपतहां थाना क्षेत्र के करीमपुर गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गीतांजलि उपाध्याय (35) ने सोमवार सुबह 10 बजे अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना से पहले उनकी अपने पति विपिन उपाध्याय से फोन पर बातचीत हुई थी।इसके बाद गीतांजलि ने कमरे में खुद को बंद कर लिया। पति ने जब दोबारा फोन किया और कॉल रिसीव नहीं हुई, तो उन्होंने परिवार वालों को सूचित किया।परिवार वाले कमरे तक पहुंचे और आवाज लगाई। जब कोई जवाब नहीं मिला तो दरवाजा तोड़कर अंदर गए। अंदर गीतांजलि का शव साड़ी के फंदे से लटका मिला। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गीतांजलि की दो बेटियां हैं 8 साल की सीता और 6 महीने की गीता। उनके पति विपिन संगीत से जुड़े हैं और चार दिन पहले एक कार्यक्रम के लिए घर से गए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। फॉरेंसिक टीम ने मौके की जांच की है। उपनिरीक्षक प्रेम शंकर सिंह के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व माध्यमिक स्कूल बंद, ग्रामीण बने अध्यापक

-धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड के पहेतियापुर गांव में स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय को बंद किए जाने के ग्रामीणों का आंदोलन लगातार छठे दिन भी जारी रहा। नये सत्र के पहले दिन स्कूल में बच्चों के स्वागत के लिए ग्रामीणों ने स्कूल को गुब्बारों से सजाया और बच्चों को खुद पढ़ाने लगे।इस दौरान स्कूल बचाओ संघर्ष समिति ने कहा कि सरकारी आदेश के तहत पांच हजार स्कूलों को बंद या मर्ज किया जा रहा है, जो गरीब व ग्रामीण बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ है।गांव के पढ़े-लिखे युवाओं ने खुद बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी संभाल ली है। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय पहेतियापुर को बंद न किया जाए और इसका संचालन यथावत जारी रखा जाए।ग्रामवासियों ने संविधान के अनुच्छेद 45 व 21अ का हवाला देते हुए सरकार पर मौलिक अधिकारों की अनदेखी का आरोप लगाया। मौके पर शिशिर कुमार दूबे, दिलीप खरवार, अशोक खरवार, संजय यादव, मनीष मिश्र सहित कई लोग मौजूद रहे।

अचानक हार्ट अटैक आने से लोकतंत्र सेनानी का निधन हुआ

-मुहम्मद आरिफ

लालगंज,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। लोकतंत्र सेनानी बालमुकुंद गुप्त (76 वर्ष)पुत्र स्व० तिलकधारी गुप्त का देहावसान उनके पैतृक आवास लालगंज पर सोमवार को सायं काल हुआ। उनको अभिषेक गुप्त,प्रवीण गुप्त आदि दो पुत्र एवं तीन पुत्रियां हैं।वह बिल्कुल स्वस्थ थे। वे अपनी दिनचर्या के अनुसार सायं अपनी दुकान पर बैठे थे। अचानक हार्ट अटैक आने से उनका देहावसान हुआ। उपजिलाधिकारी लालगंज भूपाल सिंह,नायब तहसीलदार,राजस्व निरीक्षक हरिद्वार सिंह पालीवाल, कोतवाली देवगांव व चौकी लालगंज के पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर चीनी संघ लिमिटेड ,उत्तर प्रदेश के उपसभापति ऋषिकांत राय, भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय संयोजक ओम प्रकाश सिंह, दी बार एसोसिएशन लालगंज के अध्यक्ष नगेन्द्र सिंह,आर एस एस के विभाग प्रमुख उमाशंकर मिश्र, छेदी लाल गुप्त, रंजन जायसवाल ,शंकर सोनकर, डॉक्टर सत्यराम गुप्त, मण्डल अध्यक्ष अरुण सिंह, डा०ज्वाला प्रसाद गुप्त, शिवसागर बरनवाल,सहादुर सोनकर,प्रवीण सिंह, नन्दलाल गुप्त सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

पोईसर जिमखाना में दिव्यांग बच्चों के साथ पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने किया पौधारोपण

कांदिवली, मुंबई। पोईसर जिमखाना द्वारा आयोजित एक विशेष और जागरुकतापूर्ण उपक्रम में सैकड़ों दिव्यांग बच्चों ने जिमखाना परिसर में पौधारोपण करके धरती को ग्लोबल वार्मिंग से बचाने के लिए हर नागरिक को अपना कर्तव्य निभाने का प्रशंसनीय संदेश दिया। इस अनोखे आयोजन के दौरान उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई और दिव्यांग बच्चों के साथ स्वयं भी पौधारोपण किया। इन विशेष बच्चों को अपने मन के बेहद करीब बताते हुए जनसेवक गोपाल शेट्टी ने दिव्यांग विशेष बच्चों के इस प्रयास की खुले मन से सराहना की।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि पोईसर जिमखाना की यह विशेषता रही है कि खेल जगत के साथ-साथ हमेशा समाज हित में भी वह अनेक और विशेष आयोजन करता आया है। अब इस आयोजन में मुझे 'विशेष' प्रिय इन विशेष बच्चों के नन्हें-नन्हें हाथों से पौधारोपण करवाकर एक बड़ी सोच नागरिकों के बीच पहुंचा दी गई है कि अगर पर्यावरण असंतुलन से पृथ्वी को बचाना है तो धरती को हरियाली से आल्हादित और आक्षादित करने के लिए हर नागरिक को पौधारोपण की अपनी जिम्मेदारी शिद्दत से निभानी ही होगी। इन दिव्यांग विशेष बच्चों ने पौधारोपण के माध्यम से समाज को बेहद जागरुकतापूर्ण संदेश दिया है इसके लिए ये सभी विशेष बच्चे और उनके अभिभावक बधाई के पात्र हैं। दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष रूप से आयोजित इस पौधारोपण अभियान के आयोजन में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ-साथ डॉ. योगेश दुबे, माधुरी मलाकर, किरन पाल व जास्मिन पटेल सहित पोईसर जिमखाना के सभी पदाधिकारी और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

फर्जी दवा खरीदी मामले में मनपा अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर ने वसई-विरार शहर मनपा अस्पताल में फर्जी दवाओं के उपयोग की घटना को गंभीर बताते हुए इस मामले की गहन जांच और संबंधित चिकित्सा अधिकारियों, उपायुक्त तथा अन्य मनपा कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। सातीवली स्थित माता बाल संगोपन अस्पताल में फर्जी दवाओं के उपयोग से माताओं और नवजात शिशुओं के जीवन के साथ खिलवाड़ हुआ है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जांच कर आपूर्तिकर्ता कंपनी और उनके मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की है, लेकिन महेश सरवणकर का कहना है कि केवल आपूर्तिकर्ता ही नहीं, बल्कि मनपा के अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, और उपायुक्त भी इस घोटाले में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ₹नगर निगम के अस्पतालों में फर्जी दवाओं का इस्तेमाल लोगों की जान से खिलवाड़ है। दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि जनता का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।

जौनपुर के खिलाड़ियों का नेपाल में रहा दबदबा, खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण सहित 7 मेडल जीते

जौनपुर आगमन पर जगह–जगह जोरदार स्वागत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। इण्डो नेपाल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में जौनपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन हुआ। अच्छे प्रदर्शन के बल पर जौनपुर के खिलाड़ियों ने 1 गोल्ड एवं 6 सिल्वर मेडल प्राप्त किया। इन 7 खिलाड़ियों का चयन बीते 27 से 29 मई को मथुरा में आयोजित नेशनल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में हुआ था। यही खिलाड़ियों ने नेपाल में परचम लहराकर जनपद ही नहीं, बल्कि भारत का नाम रोशन कर दिया। मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में रिद्धि गुप्ता (गोल्ड मेडल), आध्या सिंह, श्रेयांश मौर्य, अविरल भट्ट, आयुषी रावत, आदर्श मौर्य, अध्यात्म भट्ट (सिल्वर मेडल) हैं। बता दें कि ये सभी खिलाड़ी बीते 26 जून को नेपाल पोखरा के लिये रवाना हुये। थे। 27 28 जून को प्रतियोगिता सम्पन्न हुआ जहां भारत के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संजीव साहू अन्तरराष्ट्रीय खिलाड़ी और प्रशिक्षक ने कहा कि इसी तरीके से जौनपुर के खिलाड़ियों का प्रदर्शन रहा तो वह दिन दूर नहीं कि इन खिलाड़ियों का चयन ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी व ओलम्पिक में होगा। भारतीय टीम में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। गोरखपुर से शालीमार एक्सप्रेस द्वारा भण्डारी रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद खिलाड़ियों के अभिभावकों सहित जनपद के सैकड़ों लोगों ने माला फूल के साथ मिठाई खिलाकर बाजा गाजा के साथ स्वागत किया। जुलूस के साथ खिलाड़ी भण्डारी रेलवे स्टेशन से सुतहट्टी तिराहा, कोतवाली चौराहा, चहारसू चौराहा, ओलन्दगंज चौराहा होते हुये सद्भावना पुल पर पहुंचे जहां उपस्थित तमाम लोगों ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर संतोष रावत, सुबोध बरनवाल, सुरेन्द्र मौर्य, अमित निगम, अरविन्द सिंह, विकास शर्मा, कन्हैया यादव, शशि सेठ, शेखर साहू, दुर्गेश दुबे, रतन साहू, अभिषेक साहू, अंश साहू सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। वहीं व्यापारी नेता योगेश साहू एवं अरविन्द बैंकर के नेतृत्व में उपस्थित तमाम लोगों ने माल्यार्पण करके मिठाई खिलाकर स्वागत किया। उधर शहर में जगह-जगह पर माल्यार्पण करके जौनपुर का नाम रोशन करने वालों का स्वागत किया गया।

आकाशीय बिजली गिरने से धान की रोपाई कर रही चार महिलाएं झुलसी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय क्षेत्र के कलापुर गांव में मंगलवार की दोपहर बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से धान की रोपाई कर रही एक युवती और तीन महिलाएं झुलस गई। परिजनों ने नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार कलापुर निवासी 48 वर्षीय गीता पत्नी सोहन राजभर, 52 वर्षीय विमला पत्नी रामअचल राजभर इनकी पुत्री 18 वर्षीय उमा और 50 वर्षीय रामपत्ती पत्नी मोहन राजभर पड़ोसी गांव पहलमापुर के सरवन सिंह के खेत में धान की रोपाई कर रही थीं। दोपहर में अचानक बारिश के दौरान बादलों की चमक और गरज के बीच खेत में आकाशीय बिजली गिरी। धान की रोपाई कर रही युवती और तीनों महिलाएं इसकी चपेट में आकर झुलस गई। बगल के खेत में रोपाई कर रही अन्य महिलाएं दहशत में आ गई। खेतासराय के एक निजी अस्पताल में भर्ती युवती और महिलाएं खतरे से बाहर बताई जा रही हैं।

टैफे और एजीसीओ के मध्य ब्रांड अधिकारों, विज्ञापनों और शेयरधारिता को लेकर विस्तृत समझौता

मुंबई। टैफे, विश्व की एक सबसे बड़ी ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण निमार्ता कंपनी, ने आज घोषणा की है कि टैफे, एजीसीओ के साथ, ब्रांड, वाणिज्यिक मुद्दों और शेयरधारिता से संबंधित सभी मामलों पर एक विस्तृत समझौता और समाधान पर पहुंचा है। भारत, नेपाल तथा भूटान में मैसी फर्ग्यूसन ब्रांड पर टैफे का एकमात्र और अनन्य स्वामित्व रहेगा, साथ हीं ह्लमैसी फर्ग्यूसनह्व और संबंधित ट्रेडमार्क एवं उससे जुड़ी सभी गुडविल के समस्त अधिकारों, शीर्षक और हितों पर भी टैफे का स्वामित्व होगा।

टैफे, $260 मिलियन का मूल्य चुकाकर टैफे में एजीसीओ के शेयरों को वापस खरीदेगा, जो टैफे की इक्विटी के 20.7% के बराबर है, जिससे टैफे सम्मिश्रित ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन जाएगा- एक विविध औद्योगिक संगुटिका जिसका मुख्यालय भारत के चेन्नई शहर में स्थित है।

टैफे, एजीसीओ में 16.3% के स्वामित्व के साथ अपनी हिस्सेदारी बरकरार रखेगा, और इसका विस्तार नहीं करेगा, साथ हीं कुछ अपवादों के अधीन अपने आनुपातिक स्वामित्व को बनाए रखने के लिए एजीसीओ के भविष्यगत वापस-खरीद कार्यक्रमों में भाग लेगा।

टैफे, शेयरधारकों की बैठकों में एजीसीओ के निदेशक मंडल की सभी संस्तुतियों के पक्ष में अपने शेयरों से मतदान करके एजीसीओ का समर्थन करेगा, जिसमें टैफे को निश्चित छूट भी होगी।

हालांकि टैफे और एजीसीओ के बीच सभी वाणिज्यिक समझौते पारस्परिक रूप से समाप्त हो जाएंगे; लेकिन टैफे बकाया आपूर्ति आदेशों का सम्मान करते हुए सहमत शर्तों पर सभी बाजारों के लिए भागों की आपूर्ति जारी रखेगा।

चल रही सभी कानूनी कार्यवाहियों को अपरिवर्तनीय रूप से और बिना शर्त के वापस ले लिया जाएगा। मैसी फर्ग्यूसन ब्रांड से संबंधित तीन मुकदमों, जो वर्तमान में भारत में मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं, में सहमति डिक्री मांगी जाएगी।

ये समझौते, टैफे में एजीसीओ द्वारा धारित शेयरों के वापस-खरीद के संबंध में एजीसीओ एवं टैफे द्वारा भारत के कुछ सरकारी और अन्य प्रक्रियाओं को पूरा किए जाने के उपरांत प्रभावी हो जाएंगे।

टैफे की चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मल्लिका श्रीनिवासन ने कहा, टैफे की विकास गाथा के एक नए युग में प्रवेश करने के साथ हम एजीसीओ सहित अपनी दीर्घकालिक साझेदारी का सम्मान करते हुए इसे संजो कर रखेंगे, तथा एक प्रतिबद्ध शेयरधारक के रूप में एजीसीओ का समर्थन करना जारी रखेंगे।

बीईएमएल की बढ़ती भागीदारी और अधोसंरचना, रक्षा एवं खनन क्षेत्रों में भविष्य की सहयोग संभावनाओं पर चर्चा हुई

पटना (उत्तरशक्ति)। बिलासपुर मध्य भारत में अपनी औद्योगिक उपस्थिति को मजबूत करने की एक बड़ी पहल के तहत, बीईएमएल लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शांतनु रॉय ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रायपुर में मुलाकात की और राज्य में बीईएमएल की बढ़ती भागीदारी पर चर्चा की, इस दौरान राज्य में बीईएमएल की बढ़ती भागीदारी और अधोसंरचना, रक्षा एवं खनन क्षेत्रों में भविष्य की सहयोग संभावनाओं पर चर्चा हुई। इससे पहले, छत्तीसगढ़ सरकार ने बीईएमएल को अत्याधुनिक खनन उपकरण निर्माण इकाई की स्थापना के लिए १०० एकड़ भूमि आवंटित की थी। आगामी सुविधा मध्य भारत के खनिज समृद्ध क्षेत्र में उन्नत और स्वदेशी रूप से विकसित खनन मशीनरी की बढ़ती मांग को पूरा करेगी। यह पहल भारत सरकार के ह्यआत्मनिर्भर भारतह्व दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो स्थानीय उत्पादन, कौशल, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र के विकास पर केंद्रित है। संचालन उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, बीईएमएल ने बिलासपुर में एक आधुनिक केंद्रीय वेयरहाउसिंग केंद्र की आधारशिला भी रखी है। यह सुविधा एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगी, जो बीईएमएल के प्रमुख क्षेत्रों - रक्षा, रेल और मेट्रो, तथा खनन और निर्माण – में आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता और सेवा वितरण को उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाएगी। भूमिपूजन समारोह का उद्घाटन बीईएमएल लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शांतनु रॉय ने किया। इस अवसर पर दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहान, बीईएमएल लिमिटेड के निदेशक (वित्त) अनिल जेरथ तथा निदेशक (खनन एवं निर्माण) संजय सोम सहित दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। विकास के इन कदमों पर टिप्पणी करते हुए बीईएमएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शांतनु रॉय ने कहा, ह्यछत्तीसगढ़ को व्यापार विस्तार के लिए एक संभावनाओं से भरा गंतव्य के रूप में तलाशना हमारे लिए अत्यंत सुखद है।

दो पक्षों में जमकर चली लाठी-डंडे, जांच में जुटी पुलिस

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के बराई(बिसुई) गाँव मे सोमवार की शाम जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षो मे जमकर मारपीट हो गयी।मारपीट के दौरान किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया।वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडों व ईट से प्रहार किया जा रहा है। सुचना पाकर मौके पर पहुंची थानागद्दी पुलिस ने दोनों पक्षो के घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज मामले के जांच पड़ताल में जुट गई। हालांकि अखबर ऐसी किसी भी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। विदित हो कि आबादी की जमीन को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी गाली गलौज में तब्दील हो गई और देखते ही देखते दोनों तरफ से लाठी डंडे व ईट चलने लगे। दोनों तरफ से चले लाठी डंडे मे एक पक्ष के प्रियांशु शुक्ला, शिवम शुक्ला और दूसरे पक्ष के दिलीप शुक्ला, कैलाश नाथ शुक्ला, अन्नू शुक्ला, सूरज शुक्ला, सरस्वती शुक्ला घायल हो गये। सुचना पाकर मौके पर पहुंची थानागद्दी पुलिस ने दोनों पक्षो के घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज जांच पड़ताल में जुट गई।इस बाबत थानागद्दी चौकी प्रभारी आशुतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि दोनों पक्षो के बीच बहुत पुराना जमीनी विवाद चल रहा हैं मामला न्यायलय मे भी चल रहा हैं यथास्थित के बावजूद दोनो पक्ष आये दिन विवाद करते रहते हैं। मारपीट का मामला संज्ञान मे हैं दोनों पक्ष के खिलाफ कार्रवाई कि जा रही हैं एक पक्ष से एक और दूसरे पक्ष से दो लोगों को न्यायलय भेज दिया गया है।

वाराणसी में पहली बारिश ने खोली पी.डब्लु.डी. की पोल, सारनाथ क्षेत्र में सड़क धंसी

सलारपुर विद्या विहार इंटर कॉलेज के पास बना गड्ढा, लोगों में आक्रोश

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में पहली ही बारिश ने लोक निर्माण विभाग (पी.डब्लु.डी.) की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सारनाथ थाना क्षेत्र के सलारपुर स्थित विद्या विहार इंटर कॉलेज के पास सोमवार सुबह सड़क का एक हिस्सा अचानक धंस गया। गड्ढा इतना गहरा हो गया कि दोपहिया वाहन फंसने लगे और राहगीरों के लिए खतरा बन गया।स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सड़क कुछ माह पहले ही बनाई गई थी। हल्की सी बारिश में ही सड़क धंसने से विभागीय लापरवाही उजागर हो गई है। सुबह स्कूल जाते समय छात्र-छात्राएं और अभिभावकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस और प्रशासन को सूचित किया। सारनाथ पुलिस मौके पर पहुंची और बैरिकेडिंग कर सड़क के धंसे हिस्से को बंद करवा दिया। साथ ही ढहऊ को मरम्मत के लिए सूचना दी गई है।

जनता में रोष, जांच की मांग

इलाके के लोगों ने इस घटना को विभागीय भ्रष्टाचार का नतीजा बताया है। स्थानीय निवासी राकेश यादव ने कहा, बरसात शुरू होते ही सड़क धंस गई, यह साफ तौर पर घटिया निर्माण की पोल खोलता है। इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।₹अब देखना यह है कि पी.डब्लु.डी. इस मामले में क्या कदम उठाता है और दोषियों पर कोई कार्रवाई होती है या नहीं।

स्टेशन से प्रेमी के साथ विवाहिता फरार, माँ को भी नही था अंदाजा

तीन वर्षीय बच्चे को भी ले गयी साथ, पति काट रहा है पुलिस थानों के चक्कर

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। इस समय समाज की तरफ जा रहा है ।जैसे की आजकल प्रेमी,प्रेमिका पत्नी,पति के बीच की जो घटनाएं सामने आरही है ।वो चिंता का विषय है ।एक ताजा मामला शाहगंज रेलवे पुलिस के संज्ञान में आया जहां एक विवाहिता अपनी सगी माँ और अपने तीन वर्षीय बालक के साथ जालन्धर से चलकर शाहगंज पहुंची और यहां पहुंच कर विवाहिता ने कांड कर दिया। जानकारी के अनुसार जनपद गोंडा के थाना वजीरगंज अंतर्गत ग्राम कादीपुर निवासी राजन तिवारी का विवाह लगभग सात वर्ष पूर्व पंजाब के जालन्धर निवासी मानसी के साथ हुई थी ।समय के बीतने के साथ दोनों का बेटा हुआ। जो अब तीन वर्ष का हो चुका है ।बताता जाता है की दोनों दम्पत्ति के बीच सब कुछ ठीक नही चल रहा था ।मानसी कुछ महीनों से अपने मायके जालन्धर रह रही थी।25 जून को मानसी अपने बेटे और माँ के साथ जालन्धर रेलवे स्टेशन से अपने मौसी के घर ग्राम कलान थाना अखंडनगर जनपद सुल्तानपुर के लिए निकले। और 26 जून को शाहगंज रेलवे स्टेशन पर उतर कर मौसी के घर जाने के लिए निकली । तभी स्टेशन पर एक आदमी आया और मानसी ने अपनी माँ से कहा की आप घर चलो मैं इन भइया के साथ आती हूँ।और वह अपने बेटे और उक्त व्यक्ति के साथ फरार हो गयी। काफी खोजबीन के बाद जब परिजन और उसका पति राजन परेशान हो गए। तब उन्होंने मंगलवार को शाहगंज कोतवाली पहुंचे जहां कोतवाली पुलिस ने रेलवे पुलिस का मामला बताते हुए जीआरपी शाहगंज जंक्शन भेज दिया।जहां गोंडा से पहुंचे मानसी की माँ और पति राजन तिवारी सहित कुछ और लोग भी मौजूद थे।जीआरपी पुलिस को लिखित तहरीर दिया और पूरे मामले से अवगत कराया।फिलहाल जीआरपी शाहगंज मामले की जांच पड़ताल और मानसी की काल डिटेल्स के जरिए उस तक पहुंचने के प्रयास में लगी है।वहीं लड़के पक्ष का कहना है की वह अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई है।हम चाहते हैं वह बच्चे को हमारे सुपुर्द कर दे।

जौनपुर में अवैध खनन करने वालो के खिलाफ जांच के दिए गए आदेश

उप जिलाधिकारी केराकत, पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं खनन निरीक्षक की संयुक्त टीम हुई गठित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दैनिक समाचार पत्र उत्तरशक्ति में प्रकाशित समाचार कि खनन माफिया ने 20 फीट मिट्टी खोदकर कुए को खड़ा कर दिया टीले के रूप में के संबंध में जिला खनन अधिकारी ने अवगत कराया है कि ग्राम पुरेंच, केराव में साधारण मिट्टी खनन की सूचना समय-समय पर शिकायती प्रार्थना पत्र दूरभाष व अन्य माध्यमों से प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना के आधार पर उनके द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। एक बार जिला खनन अधिकारी तथा नायब तहसीलदार केराकत द्वारा संयुक्त जाँच की गयी। जाँच के दौरान कभी भी अवैध रूप से साधारण मिट्टी खनन एवं परिवहन होते नहीं पाया गया। जाँच के समय उपस्थित ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि यहाँ रात्रि में लोगों द्वारा मिट्टी खनन किया जाता है दिन में खनन कार्य नहीं होता है। ग्राम चकबन्दी प्रकिया के अन्तर्गत है। जिस स्थल की शिकायत हो रही है वह काफी भू-भाग अनुपजाऊ एवं काफी नीचे उपर की उबड खाबड भूमि है। अधिक संख्या में जहाँ-जहाँ खनन हुआ है वहीं काफी संख्या में जंगली घास-फूस बडे बडे उगे है और खनन के निशान बहुत पुराना है। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि यहाँ से तीन-चार साल पहले कास्तकारों व अन्य ने अपनी स्वेच्छा से मिट्टी बनारस जौनपुर एन०एच० मार्ग तथा अन्य कार्यों में दिया गया है। जो नये खनन के निशान मौजदू है उसमें से कई कास्तकारों द्वारा ऑनलाईन पोर्टल पर अपना आवेदन पंजीकरण करके मिट्टी खनन करके अपने खेत समतल किये गये है तथा किये भी जा रहे है साथ ही एन०एच० (भदोही-जौनपुर) द्वारा मिट्टी खनन हेतु अनुमति प्राप्त किया गया है।उन्होंने बताया है कि यह भी उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा साधारण मिट्टी खनन की रायल्टी दर शून्य घोषित किया गया है। यदि कोई कास्तकार अपना खेत समतल कराना चाहता है अथवा कुछ मिट्टी अपने घरेलू कार्य के लिए चाहता है तो माइन्स मित्रा पोर्टल पर आवेदन पंजीकरण कराकर 100 घन मीटर की अनुमति प्राप्त कर सकता है। रात्रि में अवैध खनन होने की प्राप्त शिकायत को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी केराकत व पुलिस क्षेत्राधिकारी केराकत एवं खनन निरीक्षक जौनपुर की संयुक्त टीम गठित करके जाँच/कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है।उक्त खबर को जिला संवाददाता के द्वारा प्रमुखता से अखबार में और अखबार की वेबसाइड्स पर लगाया गया था।

उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक ने उक्त खबर को चलाया था प्रमुखता से

समिति पदाधिकारियों द्वारा माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष का किया मंदिर परिसर में स्वागत

चिराना। लोहार्गल तीर्थ धाम स्थित श्री गणेश मंदिर में पहली बार पधारे श्री यादें माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष व राज्य मंत्री प्रहलाद राय टाक का समिति के पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।इस दौरान समिति के नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश प्रजापति ने तिलकार्चन किया,संरक्षक डॉ राजेंद्र कुमावत व सचिव अमोलक पारमुवाल ने माल्यार्पण व साफा पहनाकर व मोमेंटो प्रदान कर उनका स्वागत किया।इस दौरान भाजपा महामंत्री महेंद्र चंदवा,अध्यापक कालूराम बासनीवाल,नवीन लाम्बा, ताराचंद बासनीवाल मौजूद रहे। राज्य मंत्री ने अपने परिवार व मौजीज लोगों की मौजूदगी में इस पावन स्थल पर शादी की वर्षगांठ मनाते हुए यहां केक काटकर सभी का मुंह मीठा करवाया।आपको बतादे की इस से पहले लोहार्गल के सूर्य मंदिर के राज्य मंत्री ने अपने परिवार के साथ दिव्य दर्शन किए और स्नान ध्यान कर मंदिर की परिक्रमा की व अवधेश जी महाराज से शादी की वर्षगांठ पर आशीर्वाद लिया और कहा आज यहां आने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है।इस पावन स्थल पर आज मुझे पूरे परिवार के साथ विवाह वर्षगांठ को मनाकर एक अनूठी आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त हुई है।

हिंदी भाषी समाज के मुद्दे को लेकर शरदचंद पवार से मुलाकात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आप बहुमुखी प्रतिभा के धनी एवं दीर्घकाल से जनसेवा में समर्पित हैं। आपके स्वभाव में सर्वधर्म समभाव और समावेश की अद्भुत क्षमता है। आपका व्यक्तित्व हिमालय जैसा विशाल और सागर जैसा गहन है। यही कारण है कि समाज का हर वर्ग आपसे जुड़ना चाहता है। आप जनमानस के सच्चे नेता, राजनीति के पुरोधा हैं।

आपने अनेक ऐतिहासिक निर्णय लेकर समाज का मार्गदर्शन किया है जैसे मुख्यमंत्री कार्यालय में महिलाओं को आरक्षण देने का कानून, देश के इतिहास का सबसे बड़ा किसान कर्जमाफी का निर्णय, मंडल आयोग की सिफारिशों को महाराष्ट्र में लागू करने का फैसला, मराठवाड़ा विश्वविद्यालय का नामांतरण, इत्यादि। इन सभी कार्यों में आपने अनेक कठिनाइयों का सामना किया और आज भी हम जैसे लाखों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज की संख्या लगभग 50 लाख से अधिक है। 2014 के पूर्व यह समाज परंपरागत रूप से कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस का समर्थन करता रहा है, परंतु 2014 के बाद भाजपा ने धर्म के नाम पर इस समाज को अपनी ओर आकर्षित कर लिया। हालांकि 10 वर्षों बाद आज भी यह समाज अनेक समस्याओं से जूझ रहा है- जैसे कि फेरीवाले, रिक्शा चालक, वॉचमैन, मंडी और अन्य व्यवसायी आदि।जो लोग मराठी नहीं बोल पाते, उन्हें मराठी सिखाने व भाषा विवाद से बचाने के बजाय, भाजपा ने इसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर लाभ उठाया है। हिंदी भाषा को पहली कक्षा से लागू करने का निर्णय भी इसी राजनीति का हिस्सा है, जो हिंदी भाषी समाज के लोगों में असंतोष पैदा कर रहा है। मुंबई शहर का प्रशासनिक व संवाद का माध्यम मराठी है, लेकिन भाषा के नाम पर लोगों को आपस में लड़ाने का काम भाजपा कर रही है। दूसरी ओर, सरकारी मराठी और हिंदी स्कूलों के बंद होने से लोगों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है, जिससे सामाजिक समरसता टूट रही है। आपके नेतृत्व की सशक्त छवि और सर्वधर्म समभाव की सोच के कारण हिंदी भाषी समाज आज भी आपकी ओर आशा से देख रहा है। यदि आपकी पार्टी हिंदी समाज को विश्वास में लेती है, तो निश्चित ही इसका व्यापक असर देखने को मिलेगा। विशेषतः मुंबई के 127 वार्डों में हिंदी भाषी समाज का निर्णायक प्रभाव है। निवेदन है कि आप प्रतिनिधि का चयन करें जो इस समाज की समस्याओं को सुने और समाधान का प्रयास करे। आपने पूर्व में रमेश दुबे,चंद्रकांत त्रिपाठी जैसे अनेक हिंदी भाषियों को अवसर देकर समाज को प्रतिनिधित्व दिया है। कृपया एक बार फिर इस समाज को उचित मंच प्रदान करें ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके।

लायंस क्लब जौनपुर गोमती ने वितरित किया सिलाई मशीन

गौराबादशाहपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर गोमती द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से दो महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान किया गया। अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद गुप्ता ने बताया कि जिन महिलाओं के पास जीवकोपार्जन का कोई साधन नहीं है उन लोगों को चिन्हित करके क्लब द्वारा सिलाई मशीन उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगार प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आगे भी क्लब इस तरह की महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई, ब्यूटीशियन आदि विधाओं में प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के लिए संसाधन उपलब्ध करायेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टखऋ ला जे एन श्रीवास्तव(मल्टीपल काउंसिल सेक्रेटरी) विशिष्ट अतिथि के रूप में ढटखऋला नितिन यशार्थ (पूर्व मंडलाध्यक्ष) उऋऋमनीष गुप्ता, धीरज गुप्ता जोन चेयरपर्सन, नवीन मिश्रा, रश्मि मौर्य, डॉ सरला,डा राजेश मौर्य, डा जी सी सिंह, संजीव गुप्ता, जागेश्वर केसरवानी, गोपाल कृष्ण हरलालका, प्रतिमा गुप्ता सुधा मौर्य, आदि सभी प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक शाहिद हुसैन गुड्डू एवं नूपुर सिंह द्वारा उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद व आभार ज्ञापित किया गया।

विधायक ने 1 करोड़ 15 लाख की योजनाओं का किया उद्घाटन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में बिहार के पूर्व मंत्री सह महाराजगंज के विधायक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, विधायक विजय शंकर दूबे ने महाराजगंज प्रखंड अंतर्गत एक करोड़ 15 लाख की लागत राशि के विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन रविवार को किया। जिसमें संस्कृत विद्यालय महाराजगंज की भवन मरम्मती, बलऊँ पंचायत के सरेया में सड़क निर्माण का उद्घाटन, देवरिया में मदरसा भवन का उद्घाटन, गौर विद्यालय में किचेन हॉल, बलिया पंचायत के बलिया में गढ़देवी स्थान के पास छठ घाट, शिवदह पंचायत के मिश्रवलिया में छठ घाट और हजपुरवा पंचायत के सोनबरसा में सड़क का उद्घाटन हुआ।

इस मौके पर विधायक श्री दूबे ने बताया कि किसी भी गाँव को विकसित करने के लिए, उसे प्रखंड, अनुमंडल, जिला एवं राजधानी से जोड़ने के लिए, उसको मुख्य मार्ग से जोड़ना निहायत जरूरी होता है। मैंने निर्वाचित होने के बाद जनता को धन्यवाद देते हुए प्रथम दिन ही यह बात कही थी कि मैं महाराजगंज और भगवानपुर हाट प्रखंड के सभी मार्गों को मुख्य मार्ग से जोड़ने का कार्य करूँगा। मेरा यह संकल्प पाँच वर्षों की अवधि पूर्ण होने के पूर्व ही पूरा होता दिख रहा है।

श्री दूबे ने पुरजोर तरीके से यह दावा किया कि महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र के सभी पंचायतों में सड़क निर्माण का कार्य समापन की ओर है। इस पुनीत कार्य में सहायक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी, माननीय ग्रामीण विकास मंत्री अशोक चौधरी जी, एवं मेरे शुभचिंतक सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। इन सब के सार्थक सहयोग के बिना यह संभव नहीं हो पाता। मुझे इस बात की संतुष्टि है कि यह कार्य पूरा हो गया है। फिर भी मैं जनता से यह अपील करता हूँ कि यदि कहीं कोई सड़क छूट गया हो तो मेरे संज्ञान में लाएं ताकि उसका भी निर्माण कराया जा सके।

मौके पर राजा राम सिंह, इम्तियाज अहमद, जागा सिंह, अफजल खां, जितेन्द्र सिंह, मुन्ना मिश्रा,तारकेश्वर पटेल, ओमप्रकाश यादव, जितेंद्र सिंह, रमेश यादव, मनोज यादव, हरेंद्र महतो, अलीवास खान, रामा यादव और अनिल कुमार मिश्रा सहित अन्य स्थानीय कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

जिला संघर्ष समिति ने झोंकी ताकत, अनोलन के लिए तैयार किया रणननीति

-आत्मा कुमार सिंह

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में जिला बनाने के लिए जिला बनाओ संघर्ष समिति ने एक रणनीति के तहत काम करना शुरू कर दिया है. समिति के सदस्य योग प्रचारक अंगद जी महाराज ने बाबा बागेश्वर धाम की पैदल यात्रा शुरू कर, अंगद जी महाराज बागेश्वर धाम पहुंचकर बाबा से महाराजगंज को जिला बनाने के लिए प्रार्थना कर अर्जी लगा दिए हैं। वहीं समिति के संयोजक मारकंडेय सिंह के नेतृत्व में सभी सदस्य एक रणनीति के तहत सरकार को घेरने की तैयारी में लग गए हैं। इसके लिए समित तारीख निर्धारित करने में लगी हुई है।. समिति के संयोजक मारकंडेय सिंह ने बताया कि 2025 विधानसभा चुनाव के पूर्व महाराजगंज जिला घोषित नहीं हुआ, तो समिति चुनाव में अपना विरोध प्रकट करेगी। रणनीति के तहत हजारों की संख्या में बिहार के मुख्यमंत्री सीएम आवास का घेराव करेंगे, और महाराजगंज को जिला बनाने के लिए मांग करेंगे।

हिंदी भाषी समाज से तत्काल माफी मांगे मुख्यमंत्री : मनीष दुबे

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार के हिंदी भाषा विभाग के मुंबई अध्यक्ष मनीष दुबे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से हिंदी भाषी समाज से तत्काल माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने किसकी मांग पर महाराष्ट्र में हिंदी की शिक्षा पहली क्लास से लागू करने के निर्णय लिया ? महाराष्ट्र के प्रशासन की भाषा मराठी है,बोलचाल की भाषा मराठी है। पिछले कई सालों से महाराष्ट्र में भाषा का विवाद में चल रहा है। ऐसे गंभीर समय पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सिर्फ अपनी राजनीति चमकाने और हिंदी भाषियों का मसीहा बनने के लिए हिंदी भाषा के अनिवार्यता की बात कही। दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री आने वाले महानगरपालिका चुनाव में हिंदी भाषी वोटों का ध्रुवीकरण करने के लिए यह चाल चली । उन्होंने मराठी और हिंदी भाषियों में झगड़ा लगाने का काम किया है। मनीष दुबे ने कहा कि हिंदी भाषी समाज अपने आप को शर्मिंदा महसूस कर रहा है ,इसलिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को हिंदी भाषी समाज से तुरन्त माफी मांगना चाहिए।

अपोलो ने स्वास्थ्य सेवा को भविष्य के लिए परिपूर्ण बनाया

नवी मुंबई। अपोलो हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. प्रताप सी. रेड्डी ने राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर भारत के स्वास्थ्य भविष्य को नया आकार देने के लिए एक नई ऐतिहासिक प्रतिबद्धता की घोषणा की। देश में बढ़ते गैर-संचारी रोग (एनसीडी) संकट से निपटने के लिए रोकथाम-प्रथम देखभाल पर दोगुना जोर देने के लिए अपोलो हॉस्पिटल्स ने अपनी कमर कस ली है। उसी के आधार पर उठाया गया यह रणनीतिक कदम एआई-संचालित, तकनीक-सक्षम निवारक स्वास्थ्य पर अपोलो के फोकस को और भी मजबूत करता है भारत में बीमारी का पता लगाने, भविष्य का अनुमान कर पाने और उनकी रोकथाम करने के तरीकों को बदल देता है। चार दशकों के चली आ रही क्लिनिकल लीडरशिप के आधार पर उठाया गया यह रणनीतिक कदम, एनसीडी संकट से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीक और एआई-संचालित इंटेलिजेंस का उपयोग करके बिमारियों के रोकथाम पर अपोलो के अग्रणी फोकस को गहरा करता है।

यह घोषणा 1974 में शुरू हुए एक मिशन को दशार्ती है, जब डॉ. रेड्डी ने भारत की पहली संरचित स्वास्थ्य जांच शुरू की थी। तब से, अपोलो ने वैश्विक रूप से बेंचमार्क की गयी इकोसिस्टम का निर्माण किया है - जिसे वे 'साइंस ऑफ प्रिवेंटिव हेल्थ' कहते हैं- जिसने दुनिया भर में 29 मिलियन से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित किया है।

डॉ. प्रताप सी. रेड्डी, संस्थापक-अध्यक्ष, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा,ऋएक डॉक्टर होने के नाते, मैंने देखा है कि गैर-संचारी रोग हमारे देश बहुत भारी असर डाल रहे हैं - न केवल स्वास्थ्य पर, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था, हमारे परिवारों और हमारे भविष्य पर भी। यह एक खामोश सुनामी है, और इससे लड़ने का एकमात्र तरीका जल्द से जल्द कार्रवाई करना है। आज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सबूतों पर आधारित निवारक कार्यक्रमों की शक्ति के साथ, हमारे पास बीमारी के आने से पहले जोखिम का पता लगाने की अभूतपूर्व क्षमता है - बीमारी के बढ़ने को रोकने के लिए, और कई मामलों में, इसे पूरी तरह से उलटने के लिए यह मददगार है। रोकथाम को हमारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य रणनीति का आधार बनना चाहिए।ऋ

एनसीडी सुनामी से लड़नाः एक राष्ट्रीय मिशन

भारत एक अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है - गैर-संचारी बिमारियों की वजह से जान गवा देने वालों की संख्या सभी मौतों में 63% है। इस मूक महामारी का युवा जीवन पर बढ़ता प्रभाव इसे और भी गंभीर बनाता है। बीमारी की जल्द से जल्द पहचान और उपचार की शक्ति को वैज्ञानिक रूप से मान्य किया गया हैः 80% मामलों में हृदय संबंधी घटनाओं को रोका जा सकता है, मधुमेह की जटिलताओं को 70% तक कम किया जा सकता है, और व्यवस्थित जांच और जीवनशैली संशोधन कार्यक्रमों के जरिए कैंसर मृत्यु दर में 50% की कमी की जा सकती है।

अपोलो के निवारक स्वास्थ्य सेवा मॉडल में अक्ऋश्ऊ जैसे नवाचार हैं, जो हृदय जोखिम का अनुमान पहले से लगाने के लिए एक अकमॉडल है, कैंसर, स्ट्रोक, फेफड़े और चयापचय स्थितियों के लिए संरचित स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल जो एनसीडी का अनुमान बहुत पहले लगाने में मदद करते हैं, जिससे राष्ट्र पर बोझ कम हो सकता है। होम डायग्नोस्टिक्स, रीयल-टाइम डिजिटल रिपोर्ट जैसी सुविधाओं के साथ; और वंचित समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने वाली मोबाइल मेडिकल यूनिट अपोलो का निवारक देखभाल मॉडल हर किसी की सेवा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

नीलकंठ स्टूडियो बना भोजपुरी फिल्मों का प्रमुख ध्वनि संकलन केंद्र : कुमार राकेश

जौनपुर। भोजपुरी फिल्म उद्योग दिन-ब-दिन नई ऊंचाइयों को छू रहा है, और इसके पीछे कई तकनीकी विशेषज्ञों की अथक मेहनत है। उत्तर प्रदेश के बनारस स्थित नीलकंठ स्टूडियो आज भोजपुरी फिल्मों के लिए ध्वनि संकलन का एक विश्वसनीय केंद्र बन चुका है। इस स्टूडियो की सबसे बड़ी ताकत माने जाते हैं – कुमार राकेश, जिन्हें लोग प्यार से राकेश मेहरा जानु के नाम से जानते हैं। कुमार राकेश एक कुशल रिकॉर्डिस्ट, गायक, और अभिनेता हैं, जिन्होंने अपने काम करने के अनूठे अंदाज और विनम्र व्यवहार से फिल्मी जगत में खास पहचान बनाई है। फिल्म निमार्ता, निर्देशक और अभिनेता तक उनके काम की तारीफ करते नहीं थकते। दूर-दूर से लोग अपने प्रोजेक्ट के ध्वनि संकलन कार्य के लिए बनारस का रुख करते हैं, ताकि कुमार राकेश की तकनीकी दक्षता और संवेदनशीलता से लाभ उठा सकें।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

पत्रकार चंदन महाकाल से बातचीत के दौरान कुमार राकेश ने बताया कि उनका जीवन शुरूआती दौर में कठिनाइयों और संघर्षों से भरा रहा। आर्थिक परेशानियाँ, सीमित संसाधन और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। आज वे अपने परिवार और जनता के आशीर्वाद से संतुष्ट और खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

आदर्श और प्रेरणा

कुमार राकेश अपने माता-पिता को अपना पहला आदर्श मानते हैं। वहीं, भोजपुरी सिनेमा से उन्हें प्रेरणा देने वाले कलाकारों में संजय पांडे और खेसारी लाल यादव का नाम बड़े सम्मान से लेते हैं। अभिनय के क्षेत्र में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, जिससे वे एक ऑलराउंडर कलाकार के रूप में उभरे हैं।

निष्कर्ष

नीलकंठ स्टूडियो और कुमार राकेश की जोड़ी ने भोजपुरी सिनेमा में तकनीकी गुणवत्ता की नई पहचान बनाई है। उनका समर्पण, कला के प्रति निष्ठा और व्यवहारिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर भोजपुरी फिल्में तकनीकी रूप से मजबूत हो रही हैं, तो उसमें कुमार राकेश जैसे कलाकारों और तकनीशियनों का बड़ा योगदान है।

लोकतंत्र सेनानी सोनाराम का हुआ सम्मान

उदयपुरवाटी। कस्बे के जन्मे जाए सोनाराम कुमावत को 29 जून को एक समारोह में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा लोकतंत्र सेनानी के रूप में सम्मान दिया गया है जो समाज के लिए गर्व की बात है। इससे पूर्व 25 जून 2024 को जब केंद्र सरकार द्वारा इस दिन को संविधान हत्या दिवस घोषित किए जाने पर इस दिन प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों का राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सभी का जयपुर में सम्मान किया जा चुका है।सम्मान की इस कड़ी में इसी प्रकार 15 अगस्त 2024 को तत्कालीन नीमकाथाना जिला कलेक्टर द्वारा भी कुमावत को लोकतंत्र सेनानी के रूप में सम्मान दिया जा चुका है। विभिन्न मंचों से लोकतंत्र सेनानी के रूप में नवाजे गए सोनाराम को उनके शुभ चिंतकों ने उन्हें ढेर सारी बधाई दी है।

हेमंत खंडेलवाल बने मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है। हेमंत खंडेलवाल के नाम पर मुहर लग चुकी है। वे मध्य प्रदेश के 18वें भाजपा अध्यक्ष बने हैं। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद से मध्य प्रदेश की सियासत में उनके नाम पर अटकलें लगाई जा रही थी। आखिरकार बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के नाम पर सहमति बनी और प्रदेश को नया कप्तान मिल गया। हेमंत खंडेलवाल का जन्म 2 सितंबर 1964 को उत्तरप्रदेश के मथुरा में हुआ। वे पूर्व सांसद विजय कुमार खंडेलवाल के बेटे है। उन्होंने बी.कॉम, एलएलबी, जेएच गवर्नमेंट कॉलेज, बैतूल से शिक्षा ग्रहण की है। वे संघ पृष्ठभूमि से आते हैं।

कोलकाता गैंग'रेप केस में बड़ा अपडेट, तीनों आरोपी 8 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में

कोलकाता। कोलकाता के एक विधि महाविद्यालय में प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के सिलसिले में तीन आरोपियों की पुलिस हिरासत शहर की एक अदालत ने मंगलवार को बढ़ाकर 8 जुलाई तक कर दी। इन तीनों में मुख्य संदिग्ध मनोजीत मिश्रा, एक अस्थायी कर्मचारी और ह्यसाउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज' का पूर्व छात्र है, जहां 25 जून की शाम को यह घटना घटी थी, तथा दो वर्तमान छात्र - जैब अहमद और प्रमित मुखर्जी शामिल हैं। उन्हें 26 जून को गिरफ्तार किया गया और अगले दिन अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें शुरू में चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। मंगलवार को अलीपुर अदालत में पेश करने पर उनकी पुलिस हिरासत आठ दिन बढ़ाकर 8 जुलाई तक कर दी गई। इस मामले में कॉलेज के सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को भी 28 जून को गिरफ्तार किया गया था। उसकी पुलिस हिरासत चार जुलाई तक बढ़ा दी गई है। पुलिस हिरासत की अवधि सरकारी वकील और जांच अधिकारी की प्रार्थना के बाद बढ़ाई गई, जिन्होंने आरोपी से पूछताछ के लिए और समय मांगा था।

मेडिकल कालेज जौनपुर में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया गया

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में दिनांक 1 जुलाई, 2025 को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस बडो ही श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया। मेडिकल कालेज की प्रधानाचार्या प्रो० डा० रूचिरा सेठी ने कार्यक्रम की शुरूवात करते हुए बताया कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस महान चिकित्सक डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 1 जुलाई को मनाया जाता है। जो चिकित्सा क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को सम्मान देने का प्रतीक है। चिकित्सक न केवल जीवन रक्षक होते हैं, बल्कि वे समाज के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं। कोविड-19 जैसे संकट में देश भर के डॉक्टरों ने अदम्य साहस व सेवा-भावना का परिचय दिया। मै आज इस अवसर पर हमारे संस्थान के सभी चिकित्सकों, प्रशिक्षकों, छात्रों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को धन्यवाद देती हूँ, जिन्होंने चिकित्सा के इस पवित्र कार्य को निष्ठा और ईमानदारी से निभाया है। मुझे गर्व है कि हमारे विद्यार्थी न केवल अच्छे चिकित्सक बनने की दिशा में अग्रसर हैं, बल्कि वे भविष्य में एक करूणाशील और उत्तरदायी नागरिक भी बनेंगे। उप प्रधानाचार्य प्रो० डा० आशीष यादव ने अपने उद्बोधन में कहाः राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस का यह शुभ अवसर न केवल चिकित्सा क्षेत्र के प्रति हमारे कर्तव्यों की याद दिलाता है, बल्कि यह हमें अनुशासन जैसे मूलभूत मूल्य की भी महत्ता समझाता है। एक चिकित्सक या स्वास्थ्यकर्मी के लिए जितना ज्ञान और कौशल आवश्यक है, उतना ही आवश्यक है अनुशासित जीवन और कार्यशैली। चिकित्सा एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ सटीकता, समय की पाबंदी, नैतिक आचरण और आत्म-नियंत्रण से ही सफलता संभव है। यदि एक चिकित्सक में अनुशासन नहीं है, तो वह न तो अपने कर्तव्यों का पालन ठीक से कर सकता है और न ही रोगियों में विश्वास जगा सकता है। मैं अपने सभी छात्र-छात्राओं, निवोदित चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों से यह आग्रह करता हूँ कि वे अपने जीवन और कार्य में अनुशासन को सर्वोच्च स्थान दें। अनुशासन ही वह मूल है, जिससे सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता की शाखाएँ फूटती है। आज जब हम डा० बी० सी० रॉय जैसे महान चिकित्सक को स्मरण कर रहे हैं तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उनकी सफलता का आधार भी कठोर अनुशासन, कड़ी मेहनत और नैतिक मूल्यों से जुड़ा था।मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए०ए० जाफरी ने अपने उद्बोधन में बताया कि इस दिन का महत्व

सिर्फ एक व्यक्ति की स्मृति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समर्पित है उन सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को, जो निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे हुए हैं। हमारा अस्पताल केवल एक उपचार केंद्र नही है. यह एक सेवा संस्थान है- जहाँ हर मरीज हमारे लिए एक उत्तरदायित्व है। मुझे गर्व है कि हमारे चिकित्सकों, नर्सों और तकनीकी स्टाफ ने न केवल चिकित्सा सेवा को तकनीकी रूप से उत्कृष्ट बनाया है, बल्कि सहानुभूति, संवेदनशीलता और सेवा-भाव को भी बनाए रखा है। हमारा अगला लक्ष्य है अस्पताल में एकीकृत रोगी सेवाओं को और बेहतर बनाना, जिससे प्रत्येक रोगी को समय पर, गुणवत्तपूर्ण और सुलभ चिकित्सा मिल सके। मैं इस मंच से सभी से अनुरोध करता हूँ कि हम मिलकर इस अस्पताल को न केवल शारीरिक उपचार का केंद्र, बल्कि मानवता, करूणा और विश्वास का प्रतीक बनाएं। अन्त में मैं सभी डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को इस राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस की शुभकामनाएँ देता हूँ और उनके अमूल्य योगदान के लिए हृदय से आभार प्रकट करता हूँ।कार्यक्रम के संयोजन डा० आदर्श यादव ने सम्मानित चिकित्सा शिक्षक, प्रिय विद्यार्थियों और सभी उपस्थितजनों का इस गरिमामय अवसर चिकित्सा शिक्षक दिवस पर हार्दिक स्वागत किया। आज का दिन समर्पित है उन महान विभूतियों को, जिनके ज्ञान, मार्गदर्शन और अनुशासन से चिकित्सा का प्रत्येक विद्यार्थी एक श्रेष्ठ चिकित्सक बनता है आइए, हम इस आयोजन के माध्यम से अपने गुरूओं को सादर नमन करें। कार्यक्रम के अन्त में संयोजक महोदय द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर प्रो० डा० भारती यादव, प्रो० डा० उमेश सरोज, डा० साधना अजय, डा० सी०बी०एस० कर्नल पटेल डा० दिव्या श्रीवास्तव, डा० सरिता पाण्डेय, डा० राजश्री यादव, डा० विनोद कुमार, डा० विनोद वर्मा, डा० अरविन्द पटेल, डा० जितेन्द्र, डा० चन्द्रभान, डा० ममता, डा० संजीव, डा० कुलदीप, डा० मुदित चौहान, तुमुल नन्दन, डा० नवीन कुमार सिंह, डा० पूजा पाठक, डा० स्तुति, डा० प्रियंका, डा० अर्चना, डा० फरहत फातिमा, डा० अनिल कुमार, डा० श्वेता सिंह इत्यादि चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, छात्र-छात्रांए व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।